



पेज 02

25 अक्टूबर को छत्तीसगढ़
आएंगी प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी

साप्ताहिक

शहर सत्ता

PRGI NO. CTHIN/25/A2378

सोमवार, 19 अक्टूबर से 25 अक्टूबर 2026

हम दिखाएंगे आईना...



पेज 06

टीम इंडिया के सामने
कीवी चुनौती

वर्ष : 02 अंक : 33 पृष्ठ : 08 मूल्य : 5 रुपए

www.shaharsatta.com



पेज

04

खुरचन : मैं हूँ रावण... जलेगा पर मरेगा नहीं साला..!

नवरात्रि में नॉकआउट

भारतीय महिला टीम ने जिम्बाब्वे को 9 विकेट से हराया, सीरीज पर कब्जा

मुख्य संवाददाता/प्रदीप चंद्रवंशी
मोबाईल नंबर 7000681023

छत्तीसगढ़ की खेल यात्रा में एक नया और स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया है। नवा रायपुर स्थित शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में पहली बार भारतीय महिला क्रिकेट टीम और जिम्बाब्वे महिला टीम के बीच अंतरराष्ट्रीय टी-20 मुकाबला खेला गया। यह ऐतिहासिक अवसर न केवल क्रिकेट प्रेमियों के लिए रोमांचक रहा, बल्कि पूरे प्रदेश के लिए मान और गौरव का प्रतीक बन गया। मैच को लेकर राजधानी रायपुर सहित पूरे राज्य के खेल प्रेमियों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की विशेष पहल पर स्टेडियम में महिलाओं और छात्राओं के लिए मुफ्त (फ्री) प्रवेश की व्यवस्था की गई थी। इस फैसले का असर स्टेडियम में साफ दिखा, जहां हजारों की संख्या में स्कूल-कॉलेज की छात्राएं और महिलाएं तिरंगा लहराते हुए भारतीय बेटियों की हौसलाअफजाई करने पहुंचीं। चौकों-छक्कों पर गूंजती तालियों और 'इंडिया-इंडिया' के नारों ने पूरे माहौल को उत्सव में बदल दिया।

शेफाली वर्मा का तूफान, टीम इंडिया ने 8.5 ओवर में चेज किया टारगेट



भारत ने जिम्बाब्वे को दूसरे टी20 मैच में 9 विकेट से हरा दिया है। स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा ने ऐसा तूफान मचाया कि टीम इंडिया ने 8.5 ओवर में ही लक्ष्य को चेज कर दिया। पहले भारतीय गेंदबाजों ने जिम्बाब्वे की पारी को मात्र 102 रनों पर रोक दिया था। शेफाली ने महिला टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट के इतिहास में भारत के लिए तीसरा सबसे तेज अर्धशतक भी लगाया। इस जीत के साथ टीम इंडिया ने तीन टी20 मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है। कप्तान स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा, दोनों ने मिलकर गदर मचा दिया और जिम्बाब्वे के गेंदबाजों की जमकर कुटाई कर डाली। दोनों ने मिलकर केवल 47 गेंद में पहले विकेट के लिए 96 रन जोड़े। टीम इंडिया की जीत लगभग सुनिश्चित हो चुकी थी, तभी शेफाली वर्मा 25 गेंद में 55 रन बनाकर आउट हो गईं। शेफाली वर्मा ने 24 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा कर लिया था। यह टी20 क्रिकेट में भारत के लिए तीसरा सबसे तेज अर्धशतक है। टीम इंडिया के लिए दूसरी सबसे तेज फिफ्टी भी शेफाली के ही नाम है। उन्होंने 23 और 24 गेंद में पहले भी पचासा ठोका है। शेफाली ने 220 के स्ट्राइक रेट वाली अपनी तूफानी पारी में 6 चौके और 4 छक्के लगाए। उनके अलावा स्मृति मंधाना ने भी गदर मचाया। मंधाना 25 गेंद में 47 रन बनाकर नाबाद लौटीं। मंधाना ने 6 चौके और 2 छक्के लगाए।



रायपुर में पहली बार हुए इस महिला टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले को लेकर दर्शकों में खासा उत्साह देखने को मिला। 10 हजार से अधिक क्रिकेट प्रेमियों की मौजूदगी ने स्टेडियम का माहौल उत्साहपूर्ण बना दिया। चौकों पर दर्शकों ने तालियां बजाई और विकेट गिरने पर भी जमकर प्रतिक्रिया दी।

प्रदेश की बेटियों को मिलेगा नया हौसला और पंख

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस आयोजन को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह मुकाबला केवल खेल तक सीमित नहीं है, बल्कि छत्तीसगढ़ की बेटियों के आत्मविश्वास को नई उड़ान देने वाला है। जब प्रदेश की उभरती हुई बालिका खिलाड़ी अपने ही मैदान पर अंतरराष्ट्रीय दिग्गजों को खेलते देखती हैं, तो उनका यह विश्वास और मजबूत होता है कि लगन, सही अवसर और प्रशिक्षण से वे भी देश और दुनिया में छत्तीसगढ़ का नाम रोशन कर सकती हैं।

वैश्विक खेल मानचित्र पर चमका नवा रायपुर

राज्य के खेल मंत्री टंकलाम वर्मा सहित शासन के प्रतिनिधियों ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि नवा रायपुर का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम अब विश्व स्तरीय आयोजनों का प्रमुख केंद्र बन चुका है। महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की सफल मेजबानी यह साबित करती है कि छत्तीसगढ़ में खेल अधोसंरचना और सुविधाएं तेजी से मजबूत हुई हैं। यह आयोजन आने वाले समय में राज्य के ग्रामीण व शहरी अंचलों से नई महिला खेल प्रतिभाओं को तराशने के लिए मील का पत्थर साबित होगा।

छत्तीसगढ़ को स्पोर्ट्स हब के रूप में डेवलप करना हमारी प्राथमिकता: मुख्यमंत्री

रायपुर। भारत और जिम्बाब्वे महिला क्रिकेट टीम के बीच रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह स्टेडियम में टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच है। छत्तीसगढ़ स्टेडियम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को मैच देखने के लिए विशेष तौर पर आमंत्रित किया है। सीएम ने छत्तीसगढ़ क्रिकेट एसोशिएशन से आग्रह किया कि आज होने वाले मैच में महिला दर्शकों की एंट्री फ्री कर दी जाए। संघ ने सीएम के इस आग्रह को मान लिया। सीएम ने कहा कि आपके इस फैसले से हमारी बेटियों में खेल देखकर खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने का हौसला बढ़ेगा। सीएम ने कहा कि हमारा छत्तीसगढ़ इस तरह के आयोजनों से स्पोर्ट्स हब के रूप में विकसित हो रहा है। सीएम ने कहा, छत्तीसगढ़ के लिए ये गौरव की बात है कि यहां पर महिला और पुरुष क्रिकेट के अंतराष्ट्रीय मैच आयोजित किए जा रहे हैं।

छत्तीसगढ़ में पहली बार अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेट मैच का आयोजन होना प्रदेश के लिए बड़ी उपलब्धि है। देश और दुनिया की श्रेष्ठ महिला क्रिकेट खिलाड़ियों को छत्तीसगढ़ की धरती पर खेलते देखना विशेष रूप से हमारी बेटियों और युवा महिला खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायी साबित होगा। ऐसे आयोजनों से उनमें यह विश्वास और मजबूत होगा कि उचित अवसर, प्रशिक्षण और प्रोत्साहन मिलने पर वे भी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश और देश का नाम रोशन कर सकती हैं।

विष्णु देव साय ने कहा, "भारत-जिम्बाब्वे महिला टी-20 मुकाबले को लेकर प्रदेश की महिलाओं, युवाओं और खेलप्रेमियों में विशेष उत्साह रहेगा। इस ऐतिहासिक आयोजन में महिलाओं की अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से महिला दर्शकों के लिए प्रवेश नि:शुल्क रखने का सुझाव दिया। मुख्यमंत्री के इस सुझाव पर छत्तीसगढ़ स्टेड क्रिकेट संघ के पदाधिकारियों ने सहमति व्यक्त की। "मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि पहली बार छत्तीसगढ़ में



महिला क्रिकेट का आयोजन हो रहा है। भारत और जिम्बाब्वे की टीम खेलेगी। महिलाओं के देखने और उन्हें खेल के प्रति मोटिवेट करने के लिए नि:शुल्क इंट्री की गई है। खेलों में महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है और हमारी बेटियां राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन कर देश का गौरव बढ़ा रही हैं। ऐसे में महिला खिलाड़ियों के मुकाबलों को देखने के लिए अधिक से अधिक महिलाओं और बालिकाओं को स्टेडियम तक लाना स्वयं में प्रेरणा का माध्यम बनेगा। जब हमारी बेटियां अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को मैदान पर आत्मविश्वास और प्रतिस्पर्धा के साथ खेलते देखेंगी, तो उनमें भी खेलों को अपने भविष्य और करियर के रूप में अपनाने का उत्साह बढ़ेगा।

छत्तीसगढ़ को मिलेगी अंतराष्ट्रीय पहचान

मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि भारत और जिम्बाब्वे के बीच होने वाला यह अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेट मुकाबला छत्तीसगढ़ में महिला क्रिकेट की लोकप्रियता को नई ऊंचाई देगा। इससे प्रदेश की उभरती महिला क्रिकेट प्रतिभाओं को नई प्रेरणा मिलेगी और भविष्य में छत्तीसगढ़ से भी अधिक संख्या में खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी पहचान बनाएंगी। साथ ने कहा कि छत्तीसगढ़ राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी के लिए तेजी से अपनी क्षमताओं का विस्तार कर रहा है। बेहतर खेल अधोसंरचना, खिलाड़ियों के लिए बढ़ती सुविधाएं और खेलों के प्रति युवाओं का उत्साह प्रदेश को खेलों के क्षेत्र में नई पहचान दिलाने का आधार बन रहा है। राज्य सरकार का प्रयास है कि आने वाले समय में विभिन्न खेलों की प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं का आयोजन छत्तीसगढ़ में हो और प्रदेश देश के प्रमुख खेल केंद्रों में अपनी विशिष्ट पहचान बनाए। मुख्यमंत्री ने भारत और जिम्बाब्वे की महिला क्रिकेट टीमों को आगामी मुकाबले के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा, "खेल प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ अनुशासन, टीम भावना और सद्भाव का भी माध्यम है" प्रदेशवासियों और खेलप्रेमियों से इस ऐतिहासिक मुकाबले को उत्सव की तरह मनाने और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने का आह्वान मैं करता हूँ।

खेल के लिए बेहतर माहौल है छत्तीसगढ़ में

विष्णु देव साय ने कहा, "हमारी सरकार छत्तीसगढ़ में खेलों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। हमारा लक्ष्य केवल अच्छे खिलाड़ी तैयार करना ही नहीं, बल्कि प्रदेश में ऐसी मजबूत खेल संस्कृति विकसित करना है, जिसमें बच्चों और युवाओं को खेलों से जुड़ने के लिए परिवार और समाज से भी प्रोत्साहन मिले। बड़े राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।" छत्तीसगढ़ में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। राज्य के गांवों, कस्बों, आदिवासी एवं दूरस्थ अंचलों से अनेक प्रतिभाशाली खिलाड़ी सामने आ रहे हैं। राज्य सरकार का प्रयास है कि इन प्रतिभाओं को बेहतर खेल अधोसंरचना, प्रशिक्षण और आगे बढ़ने के पर्याप्त अवसर उपलब्ध हों। प्रदेश में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के आयोजन से खिलाड़ियों को बड़े मुकाबलों और श्रेष्ठ खिलाड़ियों को करीब से देखने तथा उनसे प्रेरणा लेने का अवसर मिलता है। इससे प्रदेश में खेलों के प्रति सकारात्मक वातावरण और मजबूत होगा।

पिंक पेट्रोल पुलिस गरबा ड्रेस में अंडरकवर ऑपरेशन करेगी

शहर सत्ता/रायपुर। गरबा पंडालों में कौन छेड़छाड़ कर रहा है और कौन महिलाओं की फोटो-वीडियो बना रहा है। इस पर नजर रखने के लिए रायपुर पुलिस की महिला पुलिसकर्मी गरबा ड्रेस में तेनात रहेगी। नवरात्रि के दौरान पिंक पेट्रोल यूनिट अंडरकवर ऑपरेशन चलाएगी। महिला पुलिसकर्मी आम लोगों के बीच रहकर संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखेंगी। जिससे महिलाओं और युवतियों से बदसलूकी करने वालों को मौके पर पकड़ा जा सके। पुलिस कमिश्नरेट ने गरबा और डांडिया कार्यक्रमों में महिलाओं की सुरक्षा के लिए यह व्यवस्था की है। महिला पुलिसकर्मी पंडालों के भीतर और प्रवेश द्वारों पर मौजूद रहेगी। छेड़छाड़ करने, फब्तियां कसने, अवांछित फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी करने और महिलाओं के साथ अभद्रता करने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। गरबा पंडालों और आसपास के रास्तों पर पुलिस की गाड़ियां लगातार गश्त करेगी। किसी भी घटना या शिकायत की सूचना मिलने पर पिंक पेट्रोल यूनिट तुरंत मौके पर पहुंचेगी। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि महिलाओं को परेशान करने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। रायपुर पुलिस ने महिलाओं और युवतियों से अपील की है कि, वे बिना किसी डर के गरबा उत्सव में शामिल हों। छेड़छाड़, संदिग्ध गतिविधि या किसी अप्रिय घटना की सूचना पिंक पेट्रोल यूनिट के हेल्पलाइन नंबर 9479210932 या आपातकालीन नंबर 112 पर दी जा सकती है। पुलिस के मुताबिक, शिकायतकर्ता की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

डच दूल्हा, छत्तीसगढ़ी दुल्हन, जांजगीर-चांपा में कोर्ट मैरिज

शहर सत्ता/रायपुर। जांजगीर-चांपा जिले की रहने वाली लड़की संगीत की पढ़ाई के लिए नीदरलैंड गई थी, जहां उसे एक शिप कैप्टन से प्यार हो गया। इसके बाद क्रिस्टीना नथैनियल (25) और क्रिस्टीयान एन्डीयश (32) ने जांजगीर-चांपा में कोर्ट मैरिज की। डच दूल्हे और छत्तीसगढ़ी दुल्हन की शादी की चर्चा शहरभर में हो रही है। 16 अक्टूबर को दोनों ने अपर कलेक्टर और विवाह अधिकारी प्रमोद कुमार गुप्ता के सामने विवाह की कानूनी प्रक्रिया पूरी की। इस दौरान क्रिस्टीना के पिता हनोक नथैनियल समेत तीन गवाह मौजूद रहे। विवाह अधिकारी ने प्रक्रिया पूरी होने के बाद दोनों को मैरिज सर्टिफिकेट जारी किया। क्रिस्टीना नथैनियल (25) जांजगीर चांपा जिले के पामगढ़ के भुईगांव में रहती हैं। उनके पिता हनोक नथैनियल ने बताया कि उनका परिवार करीब 17-18 साल पहले उत्तर प्रदेश से भुईगांव आकर बसा था। यहां उन्होंने राकेश जोशी के साइनिंग स्टार स्कूल से जुड़कर काम शुरू किया। वर्तमान में वे स्कूल के एडमिनिसट्रेशन से जुड़े हैं। परिवार में दो बेटियां और एक बेटा है। बड़ी बेटी और बेटे की शादी भारत में ही हुई है। हनोक के मुताबिक, छोटी बेटी क्रिस्टीना ने पामगढ़ में 12वीं तक पढ़ाई की। इसके बाद वह साल 2024 में संगीत सीखने नीदरलैंड चली गईं। वहां उनकी मुलाकात क्रिस्टीयान एन्डीयश वरबूम (32) से हुई।

कोरबा में प्रार्थना सभा में धर्म परिवर्तन का आरोप

शहर सत्ता/रायपुर। कोरबा के ओमपुर इलाके में रविवार सुबह निजी मकान में बिना अनुमति प्रार्थना सभा कराने और कथित धर्मांतरण की सूचना पर हंगामा हो गया। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने मौके पर पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को शांत कराया। पुलिस पास्टर पीतांबर सिंह समेत कुछ लोगों को हिरासत में लेकर चौकी ले गई। बजरंग दल ने मामले की जांच कर कार्रवाई करने की मांग की है। वहीं, पुलिस का कहना है कि पूछताछ और जांच के बाद आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। यह मामला रजगामार चौकी क्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार, ओमपुर में पास्टर पीतांबर सिंह नाम का व्यक्ति एक निजी मकान में बिना अनुमति प्रार्थना सभा करा रहा था। आरोप है कि इसमें हिंदू समुदाय के लोगों को भी शामिल किया जा रहा था। ग्रामीणों ने इसकी जानकारी बजरंग दल को दी। इसके बाद रजगामार प्रखंड सह संयोजक प्रवीण राठौर, अभिषेक, सोनू, विवेक चंदेल, मयंक साहू, यश दास, हीरा, निखिल और राहुल समेत अन्य कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे और मकान के बाहर विरोध प्रदर्शन करने लगे। हंगामे की सूचना पर रजगामार चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को शांत कराया। पुलिस पास्टर पीतांबर सिंह समेत कुछ अन्य लोगों को चौकी ले गई, जहां उनसे पूछताछ की जा रही है। पुलिस मामले में कार्रवाई कर रही है।

कांग्रेस :एक्टिव व निष्क्रिय जिला अध्यक्षों की कुंडली हो रही तैयार

अगले माह समीक्षा, प्रदर्शन से मिल रही रैंकिंग



शहर /रायपुर। ग्रांडउ पर कौन कितना सक्रिय है, कितने धरना-प्रदर्शन किए, ब्लॉक और बुथ स्तर पर कितनी बैठकें लीं और दिल्ली से मिले टास्क कितने पूरे किए-इन पैमानों पर छत्तीसगढ़ के 41 जिला अध्यक्षों के कामकाज का आंकलन किया जा रहा है। कांग्रेस के राष्ट्रीय स्तर के कनेक्ट प्लेटफॉर्म के जरिफ जिला अध्यक्षों की गतिविधियों की निगरानी की जा रही है। 30 जून को आधिकारिक ट्रेनिंग पूरी होने के बाद से उनके कामकाज की मॉनिटरिंग शुरू हुई है। अब अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) स्तर पर इसकी समीक्षा की तैयारी है। प्रदर्शन के आधार पर आगे संगठनात्मक फैसले लिए जा सकते हैं। कांग्रेस ने पदाधिकारियों के कामकाज की निगरानी के लिए राष्ट्रीय स्तर पर कनेक्ट प्लेटफॉर्म शुरू किया है।

इसमें प्रदेश प्रभारी से लेकर प्रदेश, जिला, ब्लॉक और बुथ स्तर के पदाधिकारी जुड़े हैं। प्रदेश कांग्रेस भवन के स्टेट कनेक्ट सेंटर के साथ दिल्ली स्थित नेशनल वॉर रूम से भी पदाधिकारियों की गतिविधियों की ऑनलाइन निगरानी की जाती है। जिला अध्यक्षों

25 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ आएंगी प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी

निकाय चुनाव की तैयारी में जुटी बीजेपी, सांसदों-विधायकों और पदाधिकारियों के साथ करेंगी बैठकें

शहर सत्ता/रायपुर। नगरीय निकाय चुनाव की तैयारी में जुटी भाजपा ने संगठन स्तर पर गतिविधियां तेज कर दी है। इसी कड़ी में प्रदेश कार्यालय में जिला प्रभारियों और पदाधिकारियों की बैठक हुई। वहीं, प्रदेश प्रभारी बनने के बाद स्मृति ईरानी 25 अक्टूबर को पहली बार दो दिवसीय दौरे पर छत्तीसगढ़ आएंगी। इस दौरान वे सांसदों, विधायकों और पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक कर संगठन के कामकाज की समीक्षा करेंगी और आगामी रणनीति पर चर्चा करेंगी।

निकाय चुनाव से पहले बीजेपी का फोकस जिला स्तर पर संगठन की स्थिति मजबूत करने और नेताओं के बीच तालमेल बढ़ाने पर है। इसी को लेकर शुक्रवार को रायपुर के बोरियाकला स्थित प्रदेश भाजपा कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में बैठक हुई। इसमें प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने जिला प्रभारियों और पार्टी पदाधिकारियों के साथ संगठनात्मक गतिविधियों और आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा की।

बैठक में प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन, अखिलेश सोनी, नवीन मार्कंडेय, प्रदेश उपाध्यक्ष जगन्नाथ पाणिग्रही और क्रेडा अध्यक्ष भूपेन्द्र सक्ती सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक में संगठन की पकड़ मजबूत करने और आने वाले कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर विचार-विमर्श किया गया। नगरीय निकाय चुनावों से पहले पार्टी के लिए जिला स्तर पर सक्रियता बढ़ाना अहम माना जा रहा है। ऐसे में संगठन के पदाधिकारियों और जिला प्रभारियों के साथ हुई यह बैठक आगामी रणनीति तैयार करने के लिहाज से महत्वपूर्ण है।



स्मृति के दौरे से पहले संगठन की गतिविधियां तेज

भाजपा की प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी 25 और 26 अक्टूबर को दो दिवसीय दौरे पर रायपुर आएंगी। प्रदेश प्रभारी बनने के बाद यह उनका छत्तीसगढ़ का पहला दौरा होगा। इस दौरान वे पार्टी के नेताओं से बातचीत करेंगी और संगठन की गतिविधियों की समीक्षा करेंगी। दौरे में प्रदेश के सांसदों, विधायकों, स्थानीय निकायों के जनप्रतिनिधियों और प्रदेश पदाधिकारियों के साथ बैठकें प्रस्तावित हैं। इन बैठकों के जरिए वे प्रदेश के राजनीतिक हालात और संगठन की गतिविधियों की जानकारी लेंगी। साथ ही आने वाले दिनों में पार्टी के कार्यक्रमों और रणनीति को लेकर भी चर्चा होगी।



निकाय चुनाव की तैयारी पर रहेगा जोर

स्मृति ईरानी के दौरे का समय भी अहम है। एक तरफ प्रदेश भाजपा संगठनात्मक बैठकों के जरिए अपनी तैयारियों को आगे बढ़ा रहा है, वहीं दूसरी तरफ प्रदेश प्रभारी का पहला दौरा पार्टी के नेताओं के साथ संवाद का अवसर होगा। नगरीय निकाय चुनावों को देखते हुए जिला स्तर पर संगठन की सक्रियता, जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय और पार्टी के कार्यक्रमों को लेकर चर्चा होने की उम्मीद है। हालांकि, स्मृति ईरानी के दौरे का विस्तृत कार्यक्रम अभी सामने आना बाकी है। उनकी बैठकों में किन मुद्दों पर खास तौर पर चर्चा होगी, यह कार्यक्रम तय होने के बाद स्पष्ट होगा। फिलहाल प्रदेश कार्यालय में हुई बैठक और प्रदेश प्रभारी के प्रस्तावित दौरे को भाजपा की संगठनात्मक तैयारियों

के अगले चरण के तौर पर देखा जा रहा है।

इसी साल दिसंबर में होंगे चुनाव

छत्तीसगढ़ में दिसंबर 2026 में नगरीय निकाय चुनाव प्रस्तावित हैं। इसके तहत बीरगांव, भिलाई, भिलाई-चरौदा और रिसाली नगर निगम समेत 17 नगरीय निकायों में चुनाव होने हैं। इनमें 4 नगर निगम, 5 नगरपालिका परिषद और 8 नगर पंचायत शामिल हैं। चुनाव को देखते हुए राजनीतिक दलों ने संगठन स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी हैं। ऐसे में भाजपा की जिला प्रभारियों के साथ बैठक और प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी का 25-26 अक्टूबर का प्रस्तावित दौरा महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि, चुनाव की तारीखों को लेकर अंतिम स्थिति राज्य निर्वाचन आयोग की आधिकारिक घोषणा के बाद ही स्पष्ट होगी।

बैज ने कहा; युवाओं से बड़ा छल, 57 हजार शिक्षक भर्ती के वादे के बीच 2582 शिक्षक घटे?

शहर सत्ता/रायपुर। प्रदेश के डीएड, बीएड उत्तीर्ण अभ्यर्थियों तथा टीईटी पास बेरोजगार युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि भाजपा ने चुनाव के दौरान 57 हजार शिक्षकों की भर्ती का ढिंढोरा पीटा था, लेकिन सच्चाई यह है कि केंद्र सरकार की ही UDISE + रिपोर्ट के मुताबिक राज्य में 2,582 शिक्षक कम हो गए हैं। साय सरकार रोजगार देने वाली नहीं, बल्कि रोजगार छीनने वाली सरकार साबित हो चुकी है। छत्तीसगढ़ के लाखों डीएड-बीएड पास बेरोजगार युवाओं की उम्मीदों पर विष्णुदेव साय सरकार ने पानी फेर दिया है। कांग्रेस पार्टी युवाओं के इस अधिकार की लड़ाई सड़क से लेकर विधानसभा तक लड़ेगी।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी व हिंदी माध्यम विद्यालय योजना के तहत 20,000 से अधिक पद स्वीकृत कर रिकॉर्ड नियुक्तियों की गईं। 27,069 नियमित शिक्षक भर्ती (14,580 एवं 12,489 पद) प्रक्रिया को तेज गति से पूरा कर युवाओं को रोजगार और स्कूलों को शिक्षक दिए गए थे। भाजपा की सरकार आने के बाद स्वामी



आत्मानंद उत्कृष्ट स्कूल बंदहाल हो गए, सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की संख्या बढ़ने के बजाय कम हो गई।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि केंद्र के ही रिपोर्ट कार्ड ने साय सरकार के शिक्षा विरोधी और युवा विरोधी चेहरे को नंगा कर दिया है। यू-डायस प्लस रिपोर्ट में वर्ष 2023-24 में छत्तीसगढ़ में कुल सरकारी शिक्षकों की संख्या 1,88,721 थी जो 2024-25 में 1,88,578 हो गई और 2025-26 में यह आंकड़ा घटकर 1,86,139 रह गया अर्थात दो साल में 2582 शिक्षक कम रह गए। आदिवासी और छत्तीसगढ़िया गरीब बच्चों को शिक्षा से वंचित करने की साजिश की जा रही है।

जब सरकारी स्कूलों में शिक्षक ही नहीं होंगे, तो गांव और गरीब के बच्चे आगे कैसे बढ़ेंगे? क्या साय सरकार जानबूझकर भर्ती प्रक्रिया को लटकाकर सरकारी शिक्षा तंत्र को कमजोर कर रही है ताकि निजी

शिक्षा माफियाओं को फायदा पहुंचाया जा सके? यह सुशासन वाली सरकार नहीं, छत्तीसगढ़ के युवाओं का भविष्य अंधकार में धकेलने वाली 'विश्वासघाती सरकार' है।

कांग्रेस का आरोप; इंसानों और वन्यजीव संघर्ष की जिम्मेदार भाजपा सरकार

शहर सत्ता/रायपुर। बढ़ते मानव-वन्यजीव संघर्ष के लिए भाजपा सरकार की कॉरपोरेट परस्त नीतियों को जिम्मेदार ठहराते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्य प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि छत्तीसगढ़ एक भीषण पर्यावरणीय और मानवीय त्रासदी के मुहाने पर खड़ा है। भाजपा सरकार की अदूरदर्शी नीतियों, अंधाधुंध अवैध खनन और औद्योगिक अपशिष्ट के कारण हमारे सिकुड़ते जंगल और प्रदूषित नदियाँ कराह रही हैं।



बीते एक हफ्ते से आधा दर्जन से ज्यादा लोगों ने जान गंवाई है। धमतरी के बोरई और कारीपानी क्षेत्र के साथ कोडगांव की सीमा पर तेंदुए के हमले से गर्भवती महिला सहित दो लोगों की मौत हो गई, 16 लोग घायल हुए, महासमुंद के बागबाहरा वन क्षेत्र के झिटी गांव में तेंदुआ रात में एक घर में घुस

गया, 2 पुरुषों और 4 महिला समेत 6 लोग घायल हो गए, कांकेर के माकड़ी सिंगराय क्षेत्र में भालू ने एक महिला को गंभीर रूप से घायल कर दिया, जशपुर के तपकरा वन परिक्षेत्र में दतैल हाथियों को खदेड़ने के दौरान कुचलने से एक नाबालिक की मौत हुई सरकार की दुर्भावना और प्रशासनिक नाकामी का नतीजा है कि आज राज्य में मानव-वन्यजीव संघर्ष चरम पर है। हमारे आदिवासी और ग्रामीण भाई-बहन अपनी जान गँवा रहे हैं और बेजुबान जानवर तड़प-तड़प कर मरने पर मजबूर हैं। साय सरकार को जवाब देना होगा कि आखिर छत्तीसगढ़िया जनता के खून से किसका खजाना भरा जा रहा है? सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि सरकार पर्यावरण संरक्षण, वनों की सुरक्षा और हरियाली बढ़ाने के बड़े-बड़े दावे कर रही है।

8 करोड़ में बने बाल संप्रेक्षण गृह की सुरक्षा में सेंध

शहर सत्ता/रायपुर। प्रदेश के कई जिलों के बाल संप्रेक्षण गृह में बंद अपचारी बालको के फरार होने की घटना लगातार हो रही है। बिलासपुर के नूतन चौक स्थित बाल संप्रेक्षण गृह में जुलाई 2026 में चौकीदार की हत्या कर चार बालक फरार हो गए थे। वहीं हाल में अंबिकापुर के बाल संप्रेक्षण गृह में भोजन के दौरान रसोइये पर गर्म खाना फेंककर और ड्यूटी पर तैनात सुरक्षा गार्ड को कमरे में बंद कर 13 नाबालिग फरार हो गए। उक्त घटनाओं के बाद भी शहर के कोहड़िया वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के पीछे 8 करोड़ रुपए की लागत से बने बाल संप्रेक्षण गृह की सुरक्षा व्यवस्था में कसावट नहीं आई है। जिसका नतीजा रहा कि शनिवार की सुबह चोरी के मामले में 20 दिन पहले वहां रखा गया एक अपचारी बालक कर्मचारियों को चकमा देकर चैनल गेट खोलकर फरार हो गया। सुबह गृह में अपचारी बालको की गणना के दौरान उक्त बालक के मौजूद नहीं रहने पर उसके फरार होने का पता चला, जिसके बाद हड़कंप मच गया। अधिकारियों-कर्मचारियों ने आसपास क्षेत्र में उसकी खोजबीन की लेकिन वह नहीं मिला।

पूर्व मंत्री अकबर बोले-जिंदा महिला को मृत बताकर बंद किया राशन



शहर सत्ता/रायपुर। रायपुर में एक जिंदा महिला को सरकारी रिकॉर्ड में मृत बताकर उसका अंत्योदय राशन कार्ड निरस्त करने का मामला सामने आया है। पूर्व खाद्य मंत्री और कांग्रेस नेता मोहम्मद अकबर ने दस्तावेज और वीडियो के साथ यह मामला उठाते हुए जांच की मांग की है। उन्होंने सरकार से जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई करने और महिला का राशन कार्ड दोबारा चालू करने की मांग की है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में दो साल में 1,17,867 राशन कार्ड निरस्त किए गए हैं। सरकार को जांच करनी चाहिए कि कहीं दूसरे पात्र लोगों के कार्ड भी गलत जानकारी के आधार पर तो निरस्त नहीं किए गए। कांग्रेस नेता मोहम्मद अकबर के मुताबिक, रायपुर के सुभाष नगर की रहने वाली साकरा बानो जीवित हैं, लेकिन सरकारी रिकॉर्ड में उन्हें मृत दर्ज कर दिया गया। इसके बाद उनका

अंत्योदय राशन कार्ड निरस्त कर दिया गया। इससे महिला को राशन मिलना बंद हो गया। मोहम्मद अकबर ने वीडियो जारी कर इस मामले के बारे जानकारी दी है। इस वीडियो में महिला राशन कार्ड से जुड़े दस्तावेज दिखा रही है। महिला ने बताया कि उसका नाम साकरा बानो है। उसके पति का नाम मोईनुद्दीन है। वो अब नहीं रहे। उसने बताया कि मुझे मृत समझकर मेरा गरीबी रखा कार्ड रद्द कर दिया गया है। अकबर ने कहा कि यह सिर्फ सरकारी रिकॉर्ड में गलती का मामला नहीं है, बल्कि एक गरीब परिवार को उसके खाद्य सुरक्षा के अधिकार से वंचित करने का गंभीर मामला है।

दो साल में 1.17 लाख से ज्यादा राशन कार्ड निरस्त

मोहम्मद अकबर ने राशन कार्ड निरस्त किए जाने के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि छत्तीसगढ़ में साल 2024 में 57,371 और साल 2025 में 60,496 राशन कार्ड निरस्त किए गए। इस तरह दो साल में कुल 1,17,867 राशन कार्ड निरस्त हुए। उन्होंने सवाल उठाया कि इतनी बड़ी संख्या में राशन कार्ड निरस्त करने से पहले क्या सभी मामलों की ठीक से जांच की गई थी? क्या जिन परिवारों के कार्ड निरस्त किए गए, उन्हें इसकी जानकारी दी गई? क्या उन्हें अपनी बात रखने का मौका मिला? अकबर ने कहा कि सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि राशन कार्ड निरस्त करने के लिए किन नियमों का पालन किया जा रहा है। यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि सरकारी रिकॉर्ड में गलती के कारण किसी पात्र परिवार का राशन बंद न हो।

संपादकीय

• सुकांत राजपूत



आस्था, अव्यवस्था और हादसों से सबक

इ उत्सव जब श्रद्धा और उल्लास की जगह चीख-पुकार और बदहवासी में तब्दील हो जाए, तो यह केवल एक आकस्मिक दुर्घटना नहीं, बल्कि प्रशासनिक दूरदर्शिता और आयोजकों की गंभीर लापरवाही का स्पष्ट प्रमाण बन जाता है। कोलकाता के दुर्गा पूजा पंडाल में मची हालिया भगदड़ ने एक बार फिर सार्वजनिक आयोजनों की सुरक्षा तैयारियों पर गहरे सवाल खड़े कर दिए हैं। देवी आराधना का यह महापर्व अपनी सांस्कृतिक भव्यता और जन-भागीदारी के लिए दुनिया भर में विख्यात है, किंतु जब यही भव्यता अव्यवस्था और अनियंत्रित भीड़ के नीचे दबने लगे, तो व्यवस्था की प्राथमिकताओं की समीक्षा बेहद अनिवार्य हो जाती है।

किसी भी बड़े धार्मिक या सार्वजनिक आयोजन में लाखों की भीड़ का जुटना अप्रत्याशित नहीं होता। प्रशासन और पूजा समितियों दोनों को यह भली-भांति ज्ञात होता है कि किन दिनों और किन पंडालों में अत्यधिक दबाव रहेगा। इसके बावजूद संकरे रास्ते, अपर्याप्त व अवरुद्ध निकास द्वार और क्षमता से कई गुना अधिक लोगों को एक साथ प्रवेश की अनुमति देना सीधे तौर पर जोखिम को न्योता देना है। अक्सर आयोजक पंडालों की भव्यता, थीम और प्रतिष्ठा की होड़ में बुनियादी सुरक्षा मानकों—जैसे भीड़ का वैज्ञानिक आकलन, चौड़े इमरजेंसी कॉरिडोर और त्वरित निकासी योजनाओं—को दरकिनार कर देते हैं। वहीं दूसरी ओर, अनुमति देने के बाद प्रशासन की जमीनी निगरानी केवल औपचारिक कागजी कार्रवाई तक सिमट कर रह जाती है।

इस प्रकार की त्रासदियों से बचने के लिए केवल जांच समितियों की घोषणा या औपचारिकता निभाना पर्याप्त नहीं है। अब समय आ गया है कि उत्सवों में भीड़ प्रबंधन के लिए सख्त ‘कैपेसिटी कैपिंग’, रीयल-टाइम मॉनिटरिंग और मजबूत बैरिकेडिंग का कड़ाई से पालन अनिवार्य किया जाए। इसके साथ ही, श्रद्धालुओं में भी संयम, कतारबद्धता और नागरिक बोध होना आवश्यक है। व्यवस्था और समाज को यह समझना होगा कि आस्था का वास्तविक सम्मान तभी सुरक्षित रह सकता है, जब मानव जीवन की सुरक्षा को सर्वोपरि प्राथमिकता दी जाए।

जैसा अन्न, वैसा मन



इन दिनों बाजार में भोजन की जो दुर्गति हुई है, उसे नई पीढ़ी मानने को तैयार नहीं है। पहले कहा जाता था अज्ञात हाथों का भोजन न करें, क्योंकि हमारी संस्कृति ने अन्न को देव माना है और उसका असर मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ेगा। लेकिन पढ़े-लिखे लोग इसको नकार देते हैं कि क्या फर्क पड़ता है? पूरी दुनिया में आज 12 अरब लोगों के लिए भोजन का उत्पादन होता है और आबादी लगभग 8 अरब है। इस पर भी 86 करोड़ लोग भूखे सो रहे हैं। अब इस पर पढ़े-लिखे लोग क्या कहेंगे? भारत में 40% भोजन बर्बाद होता है। यह पढ़े-लिखे के तो लक्षण नहीं हैं। आप अन्न की शुद्धता आध्यात्मिक दृष्टि से स्वीकार नहीं करते हैं। हायजीनिक केयर ली जा रही है। ऑर्गेनिक सब्जियां, ऑर्गेनिक अन्न, इसका बड़ा हल्ला है। लेकिन बनाने वाले की मानसिकता पर विचार करना खत्म कर दिया गया है। जबकि मानसिक स्वास्थ्य उसी पर टिका है। इसलिए अन्न को केवल बाजार की वस्तु न मानकर मानसिक स्वास्थ्य की औषधि स्वीकार किया जाए।

मैं हूँ रावण... जलेगा पर मरेगा नहीं साला..!

हर साल विजयदशमी आती है। रामलीला होती है। राम तीर चलाते हैं। रावण धू-धूकर जलता है। पटाखे फूटते हैं। तालियां बजती हैं। लोग खुश होते हैं कि सत्य ने असत्य को हरा दिया। फिर सब अपने-अपने घर चले जाते हैं।

अगली सुबह रावण फिर ज़िंदा मिलता है और कहता है- हर साल मेरा पुतला जलाकर इतने खुश क्यों होते हो? पटाखे फोड़ते हो, तालियां बजाते हो, मिठाइयां खाते हो और समझते हो कि रावण मर गया! अरे नादानो, वह पुतला था, मैं नहीं! मैं तो तुम्हारी महंगाई में हूँ, भ्रष्टाचार में हूँ, सरकारी लूट में हूँ, बेरोजगारी में हूँ। मैं नशे में हूँ, महिला हिंसा में हूँ, बुजुर्गों की उपेक्षा में हूँ, लूटपाट में हूँ, नैतिक पतन में हूँ। तुम्हारी सोच में हूँ, तुम्हारे अहंकार में हूँ। तुम हर साल मेरा एक पुतला जलाते हो, मैं हजार रूपों में तुम्हारे सामने खड़ा हो जाता हूँ।

तुम्हारे तीर खत्म हो जाएंगे, तुम्हारी आतिशबाजी बुझ जाएगी, तुम्हारे उत्सव बीत जाएंगे। मगर जब तक मेरी बुराइयों को पालने वाले मौजूद हैं, मेरा राज चलता रहेगा।

समझो! मैं हूँ रावण... रावण राज! मैं मरेगा नहीं साला!"

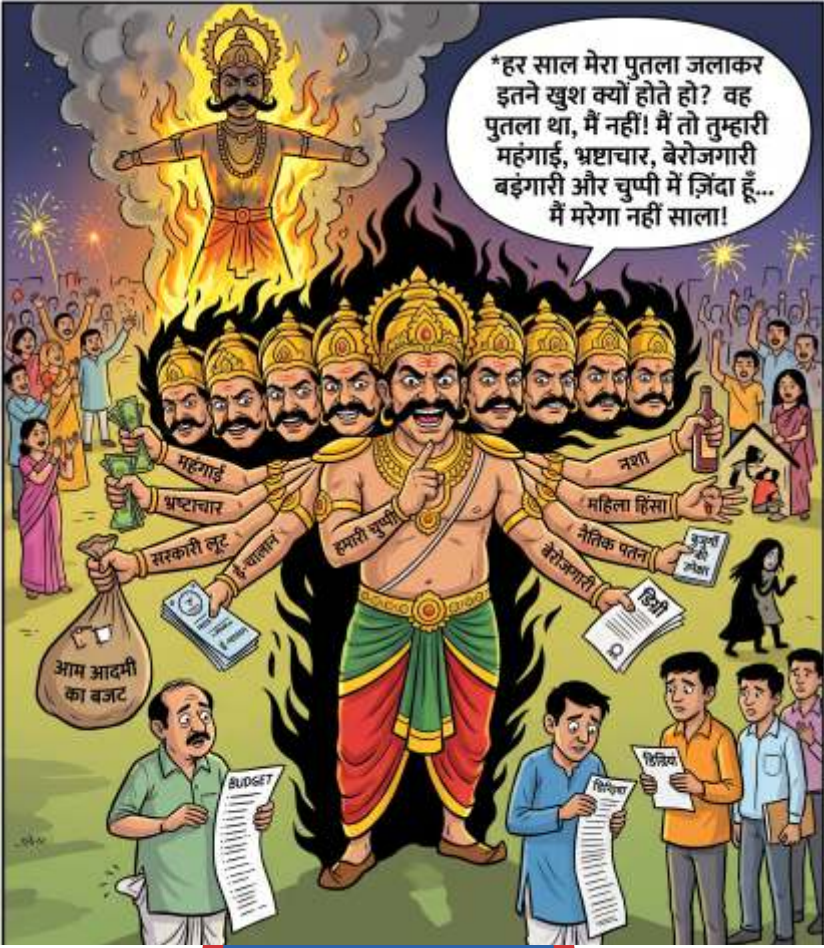
रावण कभी मैदान में खड़ा पुतला नहीं रहा, हमारे समाज की स्थायी व्यवस्था बना हुआ है।

महंगाई का रावण आम आदमी की जेब पर बैठा है। आदमी बाजार जाता है तो जरूरतों की सूची लंबी और जेब छोटी पड़ जाती है। दाल, सब्जी, तेल और गैस का हिसाब लगाते-लगाते महीने का बजट दम तोड़ देता है। वेतन आते ही खर्चों के दस सिर उसे चारों तरफ से घेर लेते हैं। दशहरे पर रावण के दस सिर जलते हैं, आम आदमी की जेब में हर महीने दस नए छेद हो जाते हैं।

भ्रष्टाचार का रावण तो और भी चतुर है। वह नियम-कानून की भाषा जानता है। सरकारी दफ्तर में उसकी फाइल कभी अटकती नहीं, बस आम आदमी की फाइल अटक जाती है। नागरिक पूछता है, “साहब, काम कब होगा?” जवाब मिलता है, “प्रक्रिया चल रही है।” प्रक्रिया चलती रहती है, काम वहीं खड़ा रहता है। आदमी के चप्पल घिस जाते हैं, लेकिन व्यवस्था के कान पर जूँ नहीं रेंगती।

सरकारी लूट का रावण जनता के पैसे से अपना साम्राज्य खड़ा कर रहा है। स्मार्ट मीटर और ई-चालान से भला कौन वाकिफ नहीं है। नशे का रावण घरों में घुसकर परिवार की खुशियां निगल रहा है। उसकी कीमत केवल नशा करने वाला व्यक्ति नहीं चुकाता; पत्नी, बच्चे और माता-पिता भी चुकाते हैं। मंचों से नशामुक्ति के नारे लगते हैं, मगर नशे के कारोबार के सामने सामाजिक इच्छाशक्ति कई बार कमजोर पड़ जाती है। नशे का यह रावण किसी मैदान में नहीं जलता। यह घर-परिवार, दोस्ती और रिश्तों को जलाता रहता है। बेरोजगारी का रावण पढ़े-लिखे युवाओं की डिग्रियों पर हंसता रहता है। युवा परीक्षा देता है, तैयारी करता है, भर्ती का इंतजार करता है। कभी परीक्षा अटकती है, कभी परिणाम और कभी नियुक्ति। उम्र निकल जाती है, आश्वासन नहीं निकलते। हर चुनाव में रोजगार का तीर छोड़ा जाता है। रावण घायल होने का अभिनय करता है और अगले चुनाव तक फिर स्वस्थ हो जाता है।

महिला हिंसा का रावण हमारी नैतिकता का सबसे कुरूप चेहरा है। एक ओर देवी की पूजा होती है, दूसरी ओर महिलाओं को हिंसा, उत्पीड़न और अत्याचार का सामना करना पड़ता है। एक तरफ नारी शक्ति



कॉलम - खुरचन द्वारा-हरिदास

तो फिर रावण का दहन कैसे हो ?

महंगाई से राहत देने वाली नीतियों से, भ्रष्टाचार पर कार्रवाई से, सरकारी धन की निगरानी से, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से, रोजगार के वास्तविक अवसरों से, महिलाओं के सम्मान से और बुजुर्गों की सुरक्षा से। सबसे बढ़कर, गलत को गलत कहने के साहस से। विजयदशमी बुराई पर अच्छाई की विजय का पर्व है। लेकिन विजय का अर्थ केवल बुराई का प्रतीक जलाना नहीं, बुराई को कमजोर करना भी है। पुतले के साथ अन्याय के प्रति हमारी उदासीनता भी जलनी चाहिए। वरना हर साल वही दृश्य दोहराया जाएगा। रावण का पुतला जलेगा, आतिशबाजी होगी, तालियां बजेंगी। अगली सुबह महंगाई का रावण दुकान खोल लेगा, भ्रष्टाचार का रावण दफ्तर पहुंच जाएगा और बेरोजगारी का रावण युवाओं की कतार में खड़ा मिलेगा।

सवाल यह नहीं कि रावण हर साल क्यों जलता है। सवाल यह है कि वह हर साल ज़िंदा कैसे हो जाता है? शायद इसलिए कि हम रावण का पुतला जलाने में जितनी दिलचस्पी लेते हैं, उसके साम्राज्य को खत्म करने में उतनी नहीं लेते।

जिस दिन रावण के पुतले के साथ उसके भीतर की बुराइयां भी जलने लगेंगी, उसी दिन विजयदशमी केवल उत्सव नहीं, समाज की वास्तविक विजय बनेगी। आप सभी को 'शहर सत्ता' की तरफ से विजय दशमी की हार्दिक शुभकामनाएं...

नेताओं के नाम पर क्यों हों इमारतें या योजनाएं

मिन्हाज मर्चेंट

भारत में हवाई अड्डों, विश्वविद्यालयों, पुस्तकालयों, शोध संस्थानों और कल्याणकारी योजनाओं के नाम राजनेताओं के नाम पर रखने की लम्बी परम्परा रही है। हालांकि, भारत के पहले प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू इसके सख्त विरोधी थे।

11 नवंबर, 1957 को नेहरू ने एक औपचारिक प्रेस वक्तव्य जारी कर लोगों से उनके नाम पर सार्वजनिक संस्थानों के नाम रखने की प्रथा बंद करने की अपील भी की थी। उन्होंने कहा था कि उनके जीवित रहते किसी भी बुनियादी ढांचे का नामकरण उनके नाम पर नहीं किया जाना चाहिए। यहां तक कि उन्होंने कांग्रेस के सदस्यों को निर्देश भी दिया था कि उनके निधन के बाद सार्वजनिक संस्थानों के नाम उनके या किसी नेता के नाम पर रखना उचित नहीं है। लेकिन नेहरू की बात किसी ने नहीं सुनी। उनकी मृत्यु के बाद ही हरियाणा की एक बड़ी सिंचाई परियोजना का नाम जवाहरलाल नेहरू नहर रख दिया गया। 1969 में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) की स्थापना हुई।

आधिकारिक आरटीआई आंकड़ों के अनुसार, आज नेहरू-गांधी परिवार के तीन प्रधानमंत्रियों-जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के नाम पर 450 से अधिक बड़ी योजनाएं, संस्थान, विश्वविद्यालय और बुनियादी ढांचे की परियोजनाएं हैं। इनमें सबसे प्रमुख हैं नई दिल्ली का इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा और हैदराबाद का राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा। इनके अलावा, अक्टूबर 1984 में श्रीमती गांधी की हत्या के कुछ ही महीनों बाद संसद के एक अधिनियम के तहत इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) की स्थापना की गई थी। नामकरण की यह आदत फिर गैर-नेहरू-गांधी प्रधानमंत्रियों तक भी पहुंच गई। पी.वी. नरसिंह राव के नाम पर तेलंगाना में एक पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय है, साथ ही राज्य में नरसिंह राव एक्सप्रेस-वे भी है।

यहां तक कि मनमोहन सिंह भी इस परम्परा से अछूते नहीं रहे। दिसंबर 2024 में उनके निधन के कुछ ही सप्ताह बाद, 6 जनवरी 2025 को हैदराबाद में उनके नाम पर डॉ. मनमोहन सिंह एक्सप्रेस-वे का नामकरण किया गया। ऐसे में शायद यह पूरी तरह अप्रत्याशित नहीं था कि नोएडा-जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का नाम नरेंद्र मोदी के नाम पर रखा गया। अलबत्ता इसकी शुरुआत तभी हो गई थी, जब अहमदाबाद में दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम का नाम नरेंद्र मोदी स्टेडियम रखा गया था।

यह पहला बड़ा सार्वजनिक बुनियादी ढांचा था, जिसका नाम मोदी ने अपने नाम पर रखने की अनुमति दी थी। इससे पहले वे इस परंपरा के आलोचक रहे थे, खासकर उन योजनाओं और सार्वजनिक संस्थानों के संदर्भ में, जिनके नाम नेहरू-गांधी परिवार के सदस्यों पर रखे गए हैं। प्रधानमंत्री के रूप में अपने शुरुआती वर्षों में मोदी ने मुफ्त गश्ती और अन्य कल्याणकारी योजनाओं के नाम 'प्रधानमंत्री' उपसर्ग के साथ रखने पर जोर दिया था और उनमें अपना नाम जोड़ने से इनकार किया था।

इसी तरह प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई) और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) के नाम रखे गए। हालांकि इससे पूर्व अटल बिहारी वाजपेयी ने भी 25 दिसंबर 2000 को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) शुरू की थी। इसकी तुलना में दूसरे देश अपने दिवंगत या जीवित नेताओं का सम्मान कैसे करते हैं? ब्रिटेन की नीति तो इस मामले में बिलकुल स्पष्ट है :



वहां सार्वजनिक संस्थानों या बुनियादी ढांचे का नाम राजनीतिक नेताओं के नाम पर हरगिज नहीं रखा जाता।

इसीलिए लंदन के प्रमुख हवाई अड्डे हीथ्रो का नाम चर्चिल के नाम पर नहीं, बल्कि उस हरे-भरे इलाके के नाम पर रखा गया है, जहां वह स्थित है। पूर्व प्रधानमंत्रियों मार्गरेट थैचर, टोनी ब्लेयर और बोरिस जॉनसन के नाम पर भी कोई सार्वजनिक स्मारक नहीं हैं। यहां तक कि ग्लैडस्टन, बाल्फोर और एटली जैसी ऐतिहासिक हस्तियों के नाम पर भी ऐसे कोई स्मारक वहां मौजूद नहीं हैं। विश्व-प्रसिद्ध ब्रिटिश विश्वविद्यालयों और शोध केंद्रों के नाम भौगोलिक स्थलों पर रखे जाते हैं, किसी नेता के नाम पर नहीं। अमेरिका में जरूर न्यूयॉर्क का जेएफके और वॉशिंगटन का जॉन डलेस हवाई अड्डा प्रमुख नेताओं के नाम पर हैं। जॉन एफ. केनेडी सेंटर फॉर द परफॉर्मिंग आर्ट्स का नाम भी

अमेरिका के पहले कैथोलिक राष्ट्रपति के नाम पर रखा गया है। अभी तक अमेरिका में यह प्रवृत्ति सीमित स्तर पर ही रही थी।

अलबत्ता ट्रम्प ने अब नामकरण की इस परम्परा को एक प्रहसन के स्तर तक पहुंचा दिया है। वे चाहते हैं कि अधिक से अधिक हवाई अड्डों, पुस्तकालयों और सार्वजनिक संस्थानों के नाम उनके नाम पर रखे जाएं। इस मामले में वे भारत में नेताओं के जीवित रहते ही उनके नाम पर संस्थानों का नामकरण करने की प्रवृत्ति से मिलते-जुलते हैं, जैसा कि इंदिरा गांधी के मामले में हुआ था। नेहरू इस परंपरा के एक सम्माननीय अपवाद थे।

वैसे, राजीव गांधी भी नेहरू की तरह अपने नाम पर संस्थानों का नाम रखे जाने के विरोधी थे। लेकिन उनकी हत्या के बाद कांग्रेस के सदस्यों ने एक नया रिकॉर्ड बना दिया। आरटीआई के आंकड़ों के अनुसार, आज राजीव गांधी के नाम पर केंद्र सरकार की 12 योजनाएं, राज्य स्तर की 52 योजनाएं, 98 विश्वविद्यालय और शैक्षणिक संस्थान, छह हवाई अड्डे और बंदरगाह, 39 अस्पताल, 74 सड़कें और इमारतें तथा 15 राष्ट्रीय उद्यान और अभयारण्य हैं- इनमें से अधिकांश का नामकरण उनके निधन के बाद किया गया। देखें तो मोदी के नाम पर अभी केवल एक क्रिकेट स्टेडियम और एक हवाई अड्डा ही है। लेकिन क्या यह यही तक सीमित रहेगा? भारतीय समाज में व्यक्ति-पूजा की एक संस्कृति रही है। लोगों का अटेंशन-स्पान घटा है। सोशल मीडिया ने जैन-जी की एक उपसंस्कृति को जन्म दिया है। आज 18 वर्ष की उम्र के कई युवा तब पैदा भी नहीं हुए थे, जब मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री बने थे। इस आयु वर्ग से इंस्टाग्राम के जरिये जुड़ने की मोदी की कोशिशें अब भी जारी हैं। उधर उत्तर प्रदेश में भी जल्द ही विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। ऐसे में नोएडा-जेवर हवाई अड्डे का नाम प्रधानमंत्री के नाम पर रखना एक ऐसी युक्ति भी हो सकती है, जिससे मोदी-योगी की 'डबल इंजन' सरकार को चुनावी लाभ मिले!

पं. नेहरू की नहीं सुनी गई...

1957 में पं. नेहरू ने एक औपचारिक प्रेस वक्तव्य जारी कर लोगों से उनके नाम पर सार्वजनिक संस्थानों के नाम रखने की प्रथा बंद करने की अपील की थी। उन्होंने कहा था कि उनके जीवित रहते किसी भी बुनियादी ढांचे का नामकरण उनके नाम पर नहीं किया जाना चाहिए। लेकिन उनकी बात किसी ने नहीं सुनी। (ये लेखक के अपने विचार हैं)



राहुल गांधी ने शिक्षा व्यवस्था को बताया 'बहिष्कार व्यवस्था'

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने रविवार को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो में युवाओं से संवाद करते हुए कहा है कि "देश में फिलहाल जो व्यवस्था प्रचलित है, वह शिक्षा व्यवस्था नहीं, बल्कि ऐसी “बहिष्कार व्यवस्था” है, जिसका मकसद लाखों भारतीय युवाओं को इससे बाहर रखना है. लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें वह हाल ही में छात्रों के एक समूह के साथ बातचीत करते नजर आ रहे हैं. इस वीडियो में गांधी ने यह टिप्पणी की. राहुल गांधी ने कहा, “अगर आपके पास पैसा, ताकत नहीं है या आप अंग्रेजी नहीं बोलते हैं, तो व्यवस्था बिना एक पल सोचे आपको बाहर कर देगी.” उन्होंने कहा, “आप इसे शिक्षा व्यवस्था नहीं कह सकते. यह बहिष्कार की व्यवस्था है, जिसे लाखों भारतीय युवाओं को इससे बाहर रखने के लिए बनाया गया है.” राहुल गांधी सोशल मीडिया मंचों के माध्यम से छात्रों के साथ बातचीत करने के अलावा अपनी 'छात्रों की गुंज' पहल के जरिए बड़े पैमाने पर युवाओं से संवाद भी कर रहे हैं. इस महीने की शुरुआत में चेन्नई में 'छात्रों की गुंज' कार्यक्रम के दौरान गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तीखा हमला बोला था.

SAR पर फैसला बदल कर भी बच नहीं पाएंगे: कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने चुनाव आयोग के विवादित एसआईआर को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ जारी विरोध प्रदर्शनों में किसी तरह की रियायत नहीं देने का संदेश देते हुए साफ कहा है वोट चोरी के विरोध में जनता के सड़कों पर उतरने का ही नतीजा है कि चुनाव आयोग अपने फैसले पलटने लगा है, इसके बावजूद ज्ञानेश कुमार बच नहीं पाएंगे। राजनीतिक दलों को मशीन से पढ़ने युक्त मतदाता सूची उपलब्ध कराने की चुनाव आयोग की ताजा घोषणा के बाद कांग्रेस ने सीईसी पर यह तीखा वार किया। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी दो साल से मशीन से पढ़ने युक्त वोटर लिस्ट देने की मांग का हवाला देते हुए कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि वोट चोरी के लिए ज्ञानेश कुमार इस मांग को स्वीकार नहीं कर रहे थे एसआईआर पर कांग्रेस तथा अन्य विपक्षी दलों की सिपायसी लड़ाई में नरमी नहीं आने का संदेश देते हुए जयराम रमेश ने रविवार को एक्स पर जारी बयान में कहा कि पिछले दो वर्षों से राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी पुरजोर तरीके से चुनाव आयोग से सभी राजनीतिक दलों को मतदाता सूची ऐसे डिजिटल फॉर्मेट में उपलब्ध कराने की मांग कर रही थी।

'फ्लाइट में बम है', बच्ची की बात सुन मच गई अफरातफरी

नई दिल्ली। अहमदाबाद से हैदराबाद आ रहे एक विमान में उस समय हड़कंप मच गया, जब एक 12 वर्षीय स्कूली छात्रा ने फ्लाइट में बम होने की बात कह दी। हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विमान की पूरी जांच के बाद यह बात महज एक प्रैंक निकली। कक्षा 7 में पढ़ने वाली बच्ची शनिवार को अपने स्कूल ट्रिप के बाद अन्य छात्रों और शिक्षकों के साथ हैदराबाद लौट रही थी। उड़ान के दौरान उसने अपने साथ बैठे एक सहपाठी से मजाक में कह दिया था कि फ्लाइट में बम है। बच्ची की इस बात को पास मौजूद एक केबिन कू सदस्य ने सुन लिया। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कू मेंबर ने तुरंत इसकी जानकारी विमान के पायलट को दी, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट पर रखा गया

फ्रांस में हिंसक प्रदर्शन

143 साल पुराना टाउन हॉल खाक, सड़कों पर उतरे 8 लाख लोग



नई दिल्ली। फ्रांस इस समय जीवन यापन के खर्च के खिलाफ सड़कों पर है. यहां पेरिस समेत अन्य जगह पर व्यापक रूप से विरोध प्रदर्शन देखने को मिल रहा है. इसी बीच लिमोगेस का ऐतिहासिक टाउन हॉल एक भीषण आग की चपेट में आकर ढह गया. यह 143 साल पुराना है. इसे साल 1873 में बनाया गया था. वर्ल्ड वॉर झेलने वाली इस इमारत का उद्घाटन साल 1883 में हुआ था, लेकिन अब पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई हिंसक झड़प में नहीं बच सकी.

AFP की न्यूज रिपोर्ट के मुताबिक, लिमोगेस में स्थित टाउन हॉल की इमारत काफी नष्ट हो चुकी है. इस ऐतिहासिक इमारत के नुकसान को विरासत के लिए सबसे बड़ी आपदा करार दिया गया है. प्रदर्शनकारियों की तरफ से इमारत को निशाना बनाने पर कड़ी निंदा हो रही है. प्रदर्शनकारियों ने पहले टाउन हॉल के बाहर पुलिस की गाड़ी को निशाना बनाया. उसमें आग लगाई, खिड़कियां तोड़ी और इमारत में घुसकर आग के हवाले कर दिया. अब इलाके में फायरब्रिगेड की टीम तैनात की गई है.

फ्रांस के गृह मंत्रालय ने क्या बताया ?

फ्रांस के गृह मंत्रालय ने बताया कि शनिवार को हुए विरोध प्रदर्शनों में करीबन साढ़े पांच लाख लोग शामिल हुए. जबकि सीजीटी यूनियन का कहना है कि इसमें 8 लाख प्रदर्शनकारियों ने भागीदारी की. बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, करीब 1200 लोगों को अरेस्ट किया जा चुका है. फ्रांस के शहरों में आगजनी, लूटपाट और तोड़फोड़ हुई है. पुलिस ने भी एहतियातन नकाबपोश प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस के गोले छोड़े, और वॉटर कैनन का इस्तेमाल किया है. प्रदर्शनकारियों ने राजधानी में रखी गाड़ियों को जला दिया. ल्योन शहर में प्रोटेस्टर्स ने एक ट्रस्टिस्ट ऑफिस को आग लगा दी. उन्होंने मार्सिले, लिले में टाउन हॉल और बोर्डों में एक पुलिस परिसर की इमारत में घुसकर नुकसान पहुंचाया. पेरिस के मेयर इमैनुएल ग्रेगोइरे ने कहा है कि राजधानी में पूरी की पूरी सड़क बर्बाद हो चुकी है. राष्ट्रपति ने बयान दिया है कि जिन लोगों ने भी इस तरह का उपद्रव किया है, उनपर मुकदमा चलाया जाएगा. उन्हें सजा दी जाएगी. ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, गृह मंत्रालय ने कहा है कि पेरिस और रेनेस, टूलूज और एंगर्स जैसे शहरों में नकाबपोश अल्ट्रा वामपंथी प्रदर्शनकारी इकट्ठा हुए. इन ग्रुप ने ल्योन, मोंटपेलियर और वैंलेंस जैसी जगह पर सड़क किनारे रखे सामानों में आग लगा दी. सार्वजनिक इमारतों को नुकसान पहुंचाया. दुकानों में लूटपाट की.

अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने पश्चिमी लिबरल्स को घेरा

इधर अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने इस घटना पर फ्रांस में हुए इमिग्रेशन को लेकर पश्चिमी लिबरल्स को जिम्मेदार ठहराया है. उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि पश्चिमी उदारवादियों ने विविधता और करुणा के नाम पर फ्रांस और अन्य देशों में तीसरी दुनिया के लोगों को लाकर बसा दिया. उन्होंने समाज में घुलने-मिलने और अनुकूलता जैसे बुनियादी सवालों को नजरंदाज कर दिया. उन्हें पहले इसको लेकर चेतावनी दी थी, लेकिन उन्होंने इसे अनसुना कर दिया. वेंस ने कहा कि मैं प्रार्थना करता हूं कि अद्भुत लोगों से भरा सुंदर फ्रांस इस पागलपन को रोक दे।



यूरोप में कई जगहों पर प्रोटेस्ट, क्यों हो रहा बवाल ?

यूरोप के कई देशों में महंगाई, महंगे घरों, शिक्षा की लागत और सरकारी सेवाओं में कमी के खिलाफ बड़े प्रदर्शन हुए हैं. फ्रांस, अल्बानिया, इटली, पुर्तगाल और बेल्जियम में लोग अपनी मांगों को लेकर सड़कों पर उतरे. कुछ जगहों पर प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहे, जबकि कई शहरों में पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पें हुईं. आगजनी, तोड़फोड़ और गिरफ्तारियों की खबरें भी सामने आईं. इन प्रदर्शनों के पीछे अलग-अलग मुद्दे हैं. कहीं लोग बढ़ते खर्च से परेशान हैं, तो कहीं शिक्षा और सार्वजनिक सेवाओं की स्थिति को लेकर नाराजगी है. अल्बानिया में प्रदर्शनकारी प्रधानमंत्री के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं. फ्रांस में बढ़ते खर्च, सरकारी सेवाओं की खराब स्थिति और असमानता के खिलाफ बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए. रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, फ्रांस के गृह मंत्री लॉरेंट नुनेज ने करीब 5.5 लाख लोगों के प्रदर्शन में शामिल होने की बात कही. वहीं, CGT ट्रेड यूनियन ने यह संख्या 8 लाख बताई. अधिकतर जगहों पर लोगों ने शांतिपूर्ण तरीके से मार्च किया, लेकिन कुछ शहरों में हिंसा भी हुई. लिमोज में सिटी हॉल में आग लगाए जाने की खबर आई. मार्सिले में प्रदर्शनकारियों ने सिटी हॉल में घुसकर तोड़फोड़ की, जबकि ल्योन में पर्यटन कार्यालय में आग लगा दी गई. पेरिस में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हटाने के लिए आंसू गैस का इस्तेमाल किया. कुछ दुकानों में तोड़फोड़ और लूटपाट की खबरें भी आईं. फ्रांस के अधिकारियों के मुताबिक, प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में लोगों को गिरफ्तार किया गया और कई पुलिसकर्मी घायल हुए।

'भारत के लिए रची गई थी बांग्लादेश-फ्रांस जैसी हिंसक साजिश: रिजिजू

नई दिल्ली। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने देश में सत्ता परिवर्तन के लिए आह्वान करने वाली विपक्षी पार्टियों और नेताओं पर निशाना साधते हुए पलटवार किया है. उन्होंने पड़ोसी देश बांग्लादेश में हुए सत्ता परिवर्तन और हिंसक घटनाओं के साथ फ्रांस में जारी दंगों का हवाला देते हुए कहा कि भारत के लिए बांग्लादेश-फ्रांस जैसी हिंसक साजिशें रची गई थी, लेकिन भारत, न तो बांग्लादेश है और न ही फ्रांस.

उन्होंने रविवार (18 अक्टूबर, 2026) को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर विपक्षी दलों के नेताओं का वीडियो क्लिप साझा करते हुए एक पोस्ट शेयर किया. पोस्ट के कैप्शन में किरेन रिजिजू ने कहा, “भारत-विरोधी

गिरोहों और कुछ राजनेताओं ने मिलकर युवाओं को भड़काने और हमारी सड़कों पर हिंसा फैलाने की योजना बनाई थी, लेकिन इन खतरनाक साजिश को रचने वाले ये भूल गए कि भारत, न तो बांग्लादेश है और न ही फ्रांस.’

भारत में कैसे संभव है सत्ता परिवर्तन? रिजिजू ने बताया

इस दौरान केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने अपने X पोस्ट के जरिए जॉर्ज सोरोस पर निशाना साधते हुए कहा, ‘भारत में सत्ता परिवर्तन बिल्कुल हो सकता है,



लेकिन वह सत्ता परिवर्तन सिर्फ और सिर्फ चुनावों के जरिए हो सकता है, सोरोस के जरिए नहीं.’ अपने वीडियो पोस्ट में किरेन रिजिजू ने बांग्लादेश की संसद में हमला, वहां हुई हिंसक घटनाओं, नेपाल में हुई हिंसा और श्रीलंका में हुए प्रदर्शनों और घटनाओं के साथ वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण का क्लिप, नेहा बोरा और राहुल गांधी

का वीडियो क्लिप शेयर किया. इस वीडियो में प्रशांत भूषण कह रहे हैं, ‘हां, हम हमलोग चाहते हैं कि रिजीम चेंज हो.’

वहीं, AISA की राष्ट्रीय अध्यक्ष और सीपीआई-ML की समर्थक नेहा बोरा ने कहा, ‘यह सबसे पहले बांग्लादेश में शुरू हुआ और हमें यह रास्ता दिखाने के लिए आपका बहुत धन्यवाद.’

जबकि वीडियो क्लिप में कॉंकरोच जनता पार्टी (CJP) का एक समर्थक यह कहता सुनाई दे रहा है, ‘संसद भवन उखाड़ दिया जाएगा’ और लोकसभा में नेता विपक्ष (LoP) राहुल गांधी ने कहा, ‘नरेंद्र मोदी, अमित शाह, ज्ञानेश कुमार और मोहन भागवत को कड़ी से कड़ी सजा मिलने जा रही है.’ उन्होंने विपक्ष पर आरोप लगाया, ‘विपक्ष भारत को बांग्लादेश बनाना चाहता है, तो वह सपने देखते रहे.’

ड्रोन से हथियार-हेरोइन सप्लाई करने वाले सिंडिकेट पर शिकंजा

नई दिल्ली। NIA ने अंतरराष्ट्रीय हथियार और नशा तस्करी के मामले में तीसरी चार्जशीट दाखिल की है. राजस्थान के जयपुर स्थित NIA की विशेष अदालत में दाखिल इस चार्जशीट में दो और आरोपियों सत्यनारायण मेघवाल और साहिल गोदारे के नाम शामिल किए गए हैं. दोनों को जुलाई 2026 में गिरफ्तार किया गया था. NIA ने इस मामले में पहले भी 14 अगस्त 2025 और 5 फरवरी 2026 को दो चार्जशीट दाखिल की थीं. अब छह पुराने आरोपियों के खिलाफ भी गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम यानी UAPA की अतिरिक्त धाराएं लगाई गई हैं. जांच एजेंसी के मुताबिक, यह गिरोह सीमा पार से ड्रोन के जरिए विदेशी हथियार, कारतूस और हेरोइन भारत में भेजता था. अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास गिराई गई इन खेपों को भारत में मौजूद गिरोह के सदस्य उठाते थे. इसके बाद हथियारों और नशे की सप्लाई राजस्थान, हरियाणा और पंजाब में की जाती थी. जांच में यह भी सामने आया है कि गिरोह के सदस्य आपस में संपर्क करने और तस्करी का पूरा नेटवर्क चलाने के लिए एन्क्रिप्टेड कम्युनिकेशन चैनल का इस्तेमाल करते थे, ताकि सुरक्षा एजेंसियों की नजर से बच सकें. NIA के अनुसार, गिरोह का मकसद सिर्फ हथियार और नशे की तस्करी करना नहीं था।

कोलकाता भगदड़ हादसे में आयोजक समेत 14 गिरफ्तार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के चोरबागान दुर्गा पूजा पंडाल में भगदड़ की घटना के बाद पुलिस ने सुरक्षा बढ़ा दी है. पुलिस कमिश्नर अजय नंद ने बोबाजार इलाके के कुछ हिस्सों में 18 से 20 अक्टूबर तक भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNS) की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू की है. इसका मकसद इलाके में शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखना है. निषेधाज्ञा के तहत तय इलाके में पांच या उससे अधिक लोगों के गैरकानूनी तरीके से एक जगह इकट्ठा होने, लाठी या खतरनाक हथियार लेकर चलने और शांति भंग करने वाली गतिविधियों पर रोक लगाई गई है. यह आदेश बोबाजार थाना क्षेत्र के कुछ हिस्सों में लागू है.



पंडाल आयोजकों के खिलाफ FIR

चोरबागान भगदड़ मामले में पुलिस ने पंडाल आयोजकों और अन्य संबंधित लोगों के खिलाफ FIR दर्ज की है. आपके दिए विवरण के मुताबिक, FIR में भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 105, 110 और 3(5) लगाई गई हैं. पुलिस ने मामले में 14 लोगों को

हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है. हिरासत में लिया जाना अपने आप में किसी व्यक्ति का दोष साबित नहीं करता.

भगदड़ कैसे हुई ?

चोरबागान के दुर्गा पूजा पंडाल में शनिवार शाम भगदड़ मच गई थी. ताजा मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, इस घटना में 19 लोगों की मौत हुई और 25 लोग घायल हुए. घटना के बाद पुलिस ने जांच शुरू की है और भीड़ प्रबंधन तथा सुरक्षा व्यवस्था में संभावित चूक की पड़ताल की जा रही है. पुलिस की जांच में यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि भगदड़ किन परिस्थितियों में हुई और इसके लिए कौन जिम्मेदार था.

फिलहाल मामले में आगे की कार्रवाई जांच के नतीजों के आधार पर होगी. जानकारी के अनुसार, 17 अक्टूबर की शाम भारी बारिश के दौरान लोग पंडाल में शरण लेने के लिए तेजी से आगे बढ़े. भीड़ का दबाव बढ़ा और लोग गिरने लगे. कुछ अधिकारियों ने निजी सुरक्षा एजेंसी की घोषणा और सीटी बजाने को भी संभावित वजह बताया है.

CJP के प्रोटेस्ट में हिंदू विरोधी नारे लगाने का लगा आरोप, 300 लोगों के खिलाफ FIR

नई दिल्ली। शनिवार को सऊदी अरब के रियाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर बड़ा धमाका हुआ है. इस घटना में कई लोगों की मौत हो गई है और 300 से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं. सऊदी अधिकारियों ने मरने वालों और घायलों की जानकारी दी है. धमाका यमन के ईरान समर्थित हूति विद्रोहियों के ग्रुप की ओर से दागी गई मिसाइल हमलों में तेजी के बीच हुआ. सऊदी अधिकारियों का कहना है कि रियाद एयरपोर्ट पर हुए हमले में 12 लोगों की मौत हो गई और 309 लोग घायल हो गए. सऊदी की सिविल एविएशन अथॉरिटी ने रविवार सुबह एक बयान में इसकी जानकारी दी है. मरने वालों 4 सऊदी नागरिक, 2 बांग्लादेशी और अमेरिका, मिस्र, जॉर्डन, सीरिया, सूडान और फिलिस्तीन से 1-1 नागरिक शामिल थे. धमाके के वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहे हैं. इस धमाके से दो दिन पहले भी एयरपोर्ट पर अटैक हुआ था जिसमें 3 लोगों की मौत हो गई थी. सऊदी के अधिकारियों के बयान में बताया गया है कि कुछ घायलों की हालत गंभीर है. सभी का अस्पताल में इलाज चल रहा है. घायलों को कुंबुलेंस और हेलिकॉप्टर से लाया गया है. न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने बताया है कि घायलों से अस्पताल भर गए थे।

कर्ज के लिए मोहताज पाक बनेगा IMF-वर्ल्ड बैंक का अध्यक्ष

नई दिल्ली। पाकिस्तान जो खुद अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) से 1.2 अरब डॉलर के कर्ज की मंजूरी का इंतजार कर रहा है वो 2027 में IMF और विश्व बैंक समूह (WBG) दोनों के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की अध्यक्षता करेगा. ‘डॉन’ की रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान के आर्थिक मामलों के मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि 1953 के बाद यह पहली बार होगा जब इस्लामाबाद इस पद की कमान संभालेगा. IMF ने मंगलवार को कहा कि 2026-27 और 2027-28 में भारतीय अर्थव्यवस्था के 7 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है, जिससे यह दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बनी रहेगी. IMF के ताजा अनुमान बताते हैं कि भारत की तेज विकास दर उस समय भी बनी रह सकती है, जब इनकम टैक्स में कटौती और GST के रेशनलाइजेशन जैसे नीतिगत उपायों से मिलने वाला अस्थायी फायदा कम हो जाएगा.

इस्लामाबाद के लिए मील का पत्थर

IMF के ये ताजा निष्कर्ष जून तिमाही के GDP आंकड़ों की विश्वसनीयता पर उठे विवाद को भी खत्म कर देंगे. बैंकोंक में 2026 की WBG-IMF वार्षिक बैठकों के पूर्ण सत्र के दौरान विश्व बैंक में पाकिस्तान के गवर्नर और आर्थिक मामलों के मंत्री अहद खान चीमा को औपचारिक रूप से अगला अध्यक्ष घोषित किया गया है. इस भूमिका के जरिए पाकिस्तान वैश्विक आर्थिक और विकास संबंधी चर्चाओं में अधिक सक्रिय भूमिका निभा



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम में कहा, “अनिश्चितताओं से भरी दुनिया में भारत भरोसे और स्थिरता का आश्वासन देता है.” उन्होंने आगे कहा, “इस साल की अप्रैल-जून तिमाही में भारत की विकास दर 7.8 प्रतिशत रही और यह विकास एक मजबूत नींव पर टिका है.”

सकेगा. साथ ही सदस्य देशों के बीच सहयोग और बातचीत को बढ़ावा दे सकेगा. मंत्रालय ने इस नियुक्ति को इस्लामाबाद के लिए ऐतिहासिक मील का पत्थर बताया है.

पाकिस्तान को कुल कितना मिलेगा लोन

IMF के अधिकारियों और पाकिस्तानी प्रशासन के बीच चल रहे लोन कार्यक्रमों की ताजा समीक्षाओं पर एक समझौता हो गया है. इससे लगभग 1.2 अरब डॉलर की राशि मिलने का रास्ता साफ हो गया है. हालांकि, इसके लिए कार्यकारी बोर्ड की मंजूरी मिलना अभी बाकी है. इन दो भुगतानों में 7 अरब डॉलर की ‘एक्सटेंडेड फंड फैसिलिटी’ शामिल है, जिसका उद्देश्य भुगतान संतुलन की ज़रूरतों को आसान बनाना और आर्थिक सुधारों को आगे बढ़ाना है. इसमें 1.4 अरब डॉलर की रेज़िलिएंस एंड सस्टेनेबिलिटी फैसिलिटी’ (RSF) भी शामिल है, जो जलवायु से जुड़े खतरों को कम करने के प्रयासों में मदद करती है.





अजीत अगरकर की जगह लेंगे रमेश पवार

मुंबई। पूर्व स्पिन गेंदबाज रमेश पवार चयन समिति में अजीत अगरकर की जगह ले सकते हैं. खबर है कि प्रज्ञान ओझा टीम इंडिया के चीफ सेलेक्टर बने रहेंगे, जबकि अजीत अगरकर के जाने के बाद खाली हुए पद को रमेश पवार भरेंगे. मौजूदा चयन समिति में सबसे ज्यादा टेस्ट मैच (24) का अनुभव रखने वाले प्रज्ञान ओझा अंतरिम चीफ सेलेक्टर बने हुए हैं. अगरकर का कार्यकाल खत्म होने के बाद चयन समिति में वेस्ट जोन का भार संभालने वाले चयनकर्ता का पद खाली हो गया था. इसके लेकर बीसीसीआई ने वैकेंसी निकाली थी, जिसके लिए आवेदन जमा करने की आखिरी तारीख 14 अक्टूबर रही. क्रिकबज के अनुसार रमेश पवार चयन समिति में अगरकर को रिप्लेस करने की दौड़ में सबसे आगे हैं. हालांकि चीफ सेलेक्टर का पद उन्हें नहीं मिलेगा. चयन समिति का वह सदस्य चीफ सेलेक्टर बनता है, जिसके पास सबसे ज्यादा टेस्ट मैच खेलने का अनुभव होता है. बताया जा रहा है कि 14 अक्टूबर को आवेदन की तारीख निकलने के बाद क्रिकेट एडवाइजरी कमिटी (CAC) 4-5 उम्मीदवारों का इंटरव्यू लिया, जिनमें से वसीम जाफर भी एक रहे. रिपोर्ट अनुसार इंटरव्यू की प्रक्रिया 15 अक्टूबर को की गई थी और उसके बाद पवार के प्रति सीएसी का विश्वास दृढ़ हुआ है. पवार ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत के लिए 2 टेस्ट और 31 वनडे मैच खेले थे.

दिल्ली में अब सिर्फ 2.5 लाख ई-रिक्शा चलेंगे

नई दिल्ली। अगर आप दिल्ली में ई-रिक्शा चलाते हैं या रोजाना सफर के लिए इसका इस्तेमाल करते हैं, तो यह खबर आपके काम की है. दिल्ली सरकार ने राजधानी में ई-रिक्शा की बढ़ती संख्या को नियंत्रित करने के लिए नई योजना का मसौदा पेश किया है. इसके तहत अब दिल्ली में अधिकतम 2.5 लाख ई-रिक्शा चलाने की अनुमति देने की योजना है. सरकार का कहना है कि इस कदम से सड़कों पर बढ़ते जाम, सड़क हादसों के खतरे और प्रदूषण जैसी परेशानियों को कम करने में मदद मिल सकती है.दिल्ली ई-रिक्शा (पंजीकरण और संचालन) योजना 2026 को अभी आखिरी मंजूरी नहीं मिली है. सरकार ने इस मसौदे पर आम लोगों से 30 दिनों के भीतर सुझाव और प्रतिक्रिया मांगी है. ऐसे में आइए जानते हैं कि इस प्रस्ताव में क्या-क्या बदलाव किए गए हैं और ई-रिक्शा चालकों के लिए कौन से नियम लागू करने की तैयारी है. दिल्ली सरकार ने राजधानी में अधिकतम 2,50,000 ई-रिक्शा के रजिस्ट्रेशन का प्रस्ताव रखा है.

मनरेगा में अब साल में 150 दिन का रोजगार

नई दिल्ली। ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए रोजगार से जुड़ी सरकारी योजनाएं आजीविका का एक बड़ा सहारा हैं. पहले मनरेगा के तहत पात्र ग्रामीण परिवारों को एक साल में 100 दिन के रोजगार की गारंटी दी जाती थी. लेकिन अब केंद्र सरकार ने मनरेगा की जगह नया ग्रामीण रोजगार कानून लागू किया है, जिसके तहत पात्र ग्रामीण परिवारों को साल में 125 दिन के रोजगार की गारंटी दी गई है. हालांकि, वन क्षेत्रों में रहने वाले कुछ पात्र आदिवासी परिवारों को मिलने वाले अतिरिक्त 50 दिनों के रोजगार को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं. दरअसल, जनवरी 2014 में केंद्र सरकार ने वन अधिकार अधिनियम (FRA) के तहत जमीन का अधिकार पाने वाले कुछ पात्र अनुसूचित जनजाति परिवारों को मनरेगा के 100 दिनों के अलावा 50 दिन का अतिरिक्त रोजगार दिया जाता था।

टीम इंडिया के सामने कीवी चुनौती

पांच टी20, पांच वनडे और दो टेस्ट मैच खेले जाएंगे

नई दिल्ली। भारत और वेस्टइंडीज की सीरीज खत्म हो चुकी है. अब टीम इंडिया के सामने न्यूजीलैंड की चुनौती है. भारत का न्यूजीलैंड दौरा 22 अक्टूबर से शुरू हो रहा है और यह 1 दिसंबर तक चलने वाला है. इतना लंबा दूर आमतौर पर कम ही देखने को मिलता है, लेकिन भारतीय खिलाड़ी 40 दिन तक यानी लगभग सवा महीना न्यूजीलैंड की धरती पर रहने वाले हैं.

भारत-न्यूजीलैंड टी20 सीरीज

भारत और न्यूजीलैंड की टी20 सीरीज 22 अक्टूबर से क्रास्टचर्व में शुरू होगी. यह सीरीज 1 नवंबर तक चलेगी, जिसमें कुल 5 मैच खेले जाएंगे.

22 अक्टूबर - पहला टी20 (क्राइस्टचर्च)

24 अक्टूबर - दूसरा टी20 (क्राइस्टचर्च)

27 अक्टूबर - तीसरा टी20 (वेलिंगटन)

30 अक्टूबर - चौथा टी20 (ऑकलैंड)

1 नवंबर - पांचवां टी20 (हैमिल्टन)

भारत का टी20 स्क्वाड: श्रेयस अय्यर (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, तिलक वर्मा, अभिषेक शर्मा, संजु सैमसन, नमन धीर, शिवम दुबे, नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, ईशान किशन, अशदीप सिंह, प्रिंस यादव, भुवनेश्वर कुमार, मयंक यादव, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव

न्यूजीलैंड का टी20 स्क्वाड: मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, माइकल ब्रेसवेल, डेरिल मिचेल, बेवन जैकब्स, नाथन स्मिथ, जोश क्लार्कसन, ग्लेन फिलिप्स, डेवोन कॉनवे, टिम



साइफर्ट, जैकब डफी, मैट हेनरी, लॉकी फर्ग्यूसन, एडम मिलने, काइल जैमीसन, ब्लेयर टिकनर

भारत-न्यूजीलैंड वनडे शेड्यूल

भारत और न्यूजीलैंड की वनडे सीरीज 4 नवंबर से शुरू होकर 15 नवंबर तक चलेगी.

4 नवंबर - पहला ODI (ऑकलैंड)

7 नवंबर - दूसरा ODI (वेलिंगटन)

10 नवंबर - तीसरा ODI (हैमिल्टन)

13 नवंबर - चौथा ODI (माउंट मौनगुआनी)

15 नवंबर - पांचवां ODI (माउंट मौनगुआनी)

भारत का ODI स्क्वाड: श्भमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, ऋतुराज गायकवाड़, नमन धीर, नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, अंशुल कंबोज, केएल राहुल, ईशान किशन, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, अशदीप सिंह, गुरनूर बराड़, प्रसिद्ध कृष्णा

न्यूजीलैंड का ODI स्क्वाड : मिचेल सैंटनर (कप्तान), मार्क चैपमैन, विल यंग, डेरिल मिचेल, रचिन रवींद्र, नाथन स्मिथ, माइकल ब्रेसवेल, डेवोन कॉनवे, टॉम लाथम, ग्लेन फिलिप्स, जैकब डफी, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, ब्लेयर टिकनर

भारत-न्यूजीलैंड टेस्ट शेड्यूल

भारत और न्यूजीलैंड के बीच 2 टेस्ट मैच खेले जाएंगे. यह सीरीज 19 नवंबर से शुरू होगी.

19 नवंबर - 23 नवंबर - पहला टेस्ट (वेलिंगटन)

27 नवंबर - 1 दिसंबर - दूसरा टेस्ट (क्राइस्टचर्च)

भारत का टेस्ट स्क्वाड: श्भमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, देवदत्त पडिक्कल, साइ सुदर्शन, रवींद्र जडेजा, नीतीश कुमार रेड्डी, अंशुल कंबोज, वाशिंगटन सुंदर, केएल राहुल, ऋषभ पंत, ध्रुव जुरेल, जसप्रीत बुमराह, आकाशदीप, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप यादव

IND vs WI सीरीज से भारत को 285 करोड़, वेस्टइंडीज को मिलेगा जीरो

नई दिल्ली। भारत दौरे पर वेस्टइंडीज की टी20 टीम में एक बार वही झलक दिखाई दी, जिसने 2012 और 2016 में टी20 वर्ल्ड कप का खिताब जीता था. उससे पहले वनडे सीरीज में भी कैरेबियाई टीम पीछे नहीं थी, जहां उसे 1-2 से हार मिली थी. खबर है कि वनडे और टी20 सीरीज से कुल 285 करोड़ रुपये की कमाई हुई है, लेकिन इनमें से एक भी पैसा वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड के पास नहीं जाएगा.285 करोड़, यह सारा पैसा मेजबान बोर्ड यानी BCCI के पास जाएगा. वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड को एक फूटी कौड़ी तक नहीं मिलेगी. इस पर वेस्टइंडीज के हेड कोच डैरेन सैमी ने सवाल खड़े कर दिए हैं. सैमी का कहना है कि वेस्टइंडीज को



आर्थिक सहारे की जरूरत है. कोच डैरेन सैमी ने ICC के 1997 साले रेवेन्यू शेयरिंग मॉडल पर सवाल खड़े किए. दरअसल 1997 से पहले का नियम कहता था कि जब भी कोई टीम विदेशी दौरे पर जाती थी, तो उसे कुल कमाई का कुछ हिस्सा मिलता था. मगर 1997 में इस नियम में बदलाव किया गया, जिसके बाद सीरीज से जितना भी रेवेन्यू जाएगा वह सब मेजबान बोर्ड के पास जाने लगा.डैरेन सैमी ने कहा, "हम ऐसी स्थिति में हैं, जहां आर्थिक रूप से किसी को वेस्टइंडीज क्रिकेट का सहारा बनने की जरूरत है. दुनिया की बेहतरीन टीमों में से एक, भारत के खिलाफ इस तरह की सीरीज हमें उस बेहतर स्थिति के करीब ले आती है."

तीन दशक बाद कैजाद भरूचा की HDFC बैंक से विदाई

नई दिल्ली।देश के सबसे बड़े निजी बैंकों में शामिल HDFC बैंक में इन दिनों अपने सीनियर नेतृत्व में बदलाव को लेकर सुर्खियों में है. बैंक के उप प्रबंध निदेशक कैजाद भरूचा करीब 31 साल तक सेवाएं देने के बाद पद छोड़ने जा रहे हैं. बैंक ने 17 अक्टूबर को बताया कि भरूचा ने 31 दिसंबर 2026 से अपनी सेवाएं समाप्त करने का अनुरोध किया है. हालांकि, उन्होंने पद छोड़ने का फैसला क्यों लिया है, इसकी आधिकारिक वजह सामने नहीं आई है. कैजाद भरूचा का जाना ऐसे समय में हो रहा है, जब बैंक में नेतृत्व को लेकर भी बदलाव हो रहा है. कुछ महीने पहले तक उन्हें बैंक के अगले MD और CEO पद के प्रमुख दावेदारों में गिना जा रहा था. ऐसे में आइए जानते हैं कि कैजाद भरूचा कौन हैं, बैंक में उनका सफर कैसा रहा और उनके जाने को क्यों अहम माना जा रहा है.60 वर्षीय कैजाद भरूचा बैंकिंग सेक्टर का जाना-पहचाना नाम हैं. कैजाद भरूचा का बैंकिंग करियर 1986 में शुरू हुआ था. HDFC बैंक में आने से पहले उन्होंने 1986 से 1995 तक SBI कमर्शियल एंड इंटरनेशनल बैंक में काम किया था. इसके बाद अक्टूबर 1995 में वह HDFC बैंक से जुड़ गए थे और इतने लंबे समय में बैंक के कारोबार को आगे बढ़ाने में उनकी अहम भूमिका रही है।

विरोध: IDBI बैंक के कर्मचारी करेंगे भूख हड़ताल

नई दिल्ली। IDBI बैंक को कनाडा की Fairfax कंपनी को बेचने के प्रस्ताव के खिलाफ बैंक कर्मचारियों ने भूख हड़ताल का ऐलान किया है. ऑल इंडिया IDBI ऑफिसर्स एसोसिएशन और एम्प्लॉइज एसोसिएशन ने मिलकर 2 और 3 नवंबर को देशभर की ब्रांचों में दो दिन की हड़ताल का नोटिस दिया है.एसोसिएशन के मुताबिक, यह हड़ताल देश भर में बैंक की सभी शाखाओं और कार्यालयों में होगी और इस दौरान बैंक का कामकाज पूरी तरह से ठप रहने की संभावना है. एसोसिएशन ने बैंक कर्मचारियों, ट्रेड यूनियनों, ग्राहकों, जमाकर्ताओं और नागरिक समाज संगठनों से भूख हड़ताल का समर्थन करने की अपील की है.

फोरम ने प्रस्तावित बिक्री का इस आधार पर विरोध किया है कि वित्तीय स्थिति में सुधार के बावजूद इससे बैंक के सार्वजनिक क्षेत्र के स्वरूप पर असर पड़ेगा. एसोसिएशन ने कहा कि हम सरकार और बैंक मैनेजमेंट के साथ बातचीत के लिए तैयार



है, लेकिन अगर मांगे नहीं मानी गईं तो आने वाले समय में आंदोलन को और तेज किया जा सकता है.बैंक कर्मचारियों की मांग है कि सरकार बैंक को प्राइवेट न करे और LIC से या बाजार से 6% शेयर खरीदकर अपनी हिस्सेदारी 51% पर बनाए रखे, जैसा कि 2003 में संसद में वादा किया गया था. कर्मचारियों को डर है कि प्राइवेट होने पर नौकरी की शर्तें, पेंशन, रिजर्वेशन और वेतन बढ़ाती खत्म हो जाएगी.कर्मचारियों ने मांग की है कि अगर बिक्री होती भी है तो उन्हें सरकारी बैंकों में ट्रांसफर का ऑप्शन मिले और आउटसोर्स कर्मचारियों को भी रखा जाए. उन्होंने कहा IDBI ने किसानों, छोटे कर्जदारों और सरकारी योजनाओं में बड़ी भूमिका निभाई है, इसे प्राइवेट करने से जनता को नुकसान होगा. अगर मांग नहीं मानी तो अनिश्चितकालीन हड़ताल भी हो सकती है. यूनियन ने आईडीबीआई बैंक में कार्यरत आउटसोर्स और संविदा कर्मचारियों को भी स्थायी नौकरी देने की मांग की है.

सैलरी नहीं, बॉस की वजह से लोग छोड़ रहे नौकरी

नई दिल्ली। कई बार लोग अच्छी नौकरी के बावजूद दूसरी कंपनी में जाने के बारे में सोचते हैं, तो इसकी वजह सिर्फ कम सैलरी नहीं, बल्कि ऑफिस का माहौल, बॉस का व्यवहार और काम करने का तरीका भी हो सकता है. अक्सर कर्मचारी बेहतर कमाई के लिए दूसरी कंपनी में नौकरी तलाशते हैं, लेकिन कई बार खराब मैनेजमेंट और काम के दबाव के कारण भी नौकरी छोड़ने का फैसला करते हैं. एक नई रिपोर्ट में भी कुछ ऐसा ही सामने आया है, जहां कर्मचारियों ने नौकरी बदलने के पीछे वर्कप्लेस कल्चर के खराब माहौल को बड़ी वजह बताया है.

जीनियस एचआरटेक लिमिटेड की सितंबर 2026 की रिपोर्ट के मुताबिक, 47% कर्मचारियों ने खराब मैनेजमेंट और ऑफिस के माहौल को नौकरी बदलने के बारे में सोचने की खास वजह बताया. वहीं, 30% कर्मचारियों ने कहा कि उन्हें बाजार में मिलने वाली सैलरी के मुकाबले कम पैसा मिल रहा है. इससे यह साफ जाहिर होता है कि कर्मचारियों के लिए अच्छी सैलरी के साथ-साथ काम करने का माहौल भी काफी मायने रखता है.

क्यों नौकरी छोड़ने के बारे में सोच रहे हैं कर्मचारी?

47% कर्मचारी: खराब मैनेजमेंट और ऑफिस के माहौल को नौकरी बदलने की बड़ी वजह मानते हैं.

30% कर्मचारी: बाजार में मिलने वाली सैलरी के मुकाबले कम वेतन मिलने से परेशान हैं.



39% कर्मचारी: बेहतर मैनेजमेंट, अच्छा वर्कप्लेस कल्चर और काम में ज्यादा लचीलापन मिलने पर अपनी मौजूदा कंपनी में बने रह सकते हैं.

किन सेक्टर के कर्मचारियों से मिली जानकारी?

जीनियस एचआरटेक लिमिटेड की यह रिपोर्ट 1 से 30 सितंबर 2026 के बीच 1,255 कर्मचारियों से मिली जानकारी पर आधारित है. इसमें आईटी, मैन्युफैक्चरिंग, टेलीकॉम, रिटेल, फाइनेंस, बैंकिंग और वित्तीय सेवाओं (BFSI), एफएमसीजी और इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में काम करने वाले कर्मचारियों की राय शामिल की गई.

सैलरी के साथ अच्छा माहौल भी जरूरी

रिपोर्ट के आंकड़ों से पता चलता है कि कर्मचारियों को कंपनी में बनाए रखने के लिए सिर्फ अच्छी सैलरी देना ही काफी नहीं है. ऑफिस में बॉस का बेहतर व्यवहार, सहयोग करने वाला मैनेजमेंट और काम में जरूरी लचीलापन भी काफी अहम है. ऐसे में अगर कर्मचारियों को अपनी बात रखने का मौका मिले और काम का माहौल अच्छा हो, तो उनके मौजूदा कंपनी में बने रहने की उम्मीदें बढ़ सकती है.



कोच ने कहा मोहम्मद शमी पूरी तरह फिट, टीम से बाहर होने पर दिया बयान

नई दिल्ली। मोहम्मद शमी पूरी तरह फिट हैं, यह कहना है बंगाल टीम के हेड कोच लक्ष्मीरत्न शुक्ला का. शमी ने रणजी ट्रॉफी 2026-27 सीजन के पहले मैच में शमी ने दिल्ली के खिलाफ 5 विकेट चटकाए थे. इसलिए सर्विसेज के खिलाफ मैच की प्लेइंग इलेवन से उनका बाहर होना चौंकाते वाला निर्णय रहा. मगर लक्ष्मीरत्न शुक्ला ने साफ कर दिया है कि शमी को इस मैच के लिए आराम दिया गया था.दूसरी ओर मोहम्मद शमी को टीम इंडिया में वापस लाए जाने की मांग ने जोर पकड़ा हुआ है. एक तरफ वह टीम इंडिया से बाहर हैं, ऐसे में उनका बंगाल की प्लेइंग इलेवन से भी बाहर होना बड़े सवाल खड़े कर रहा था. मुकाबले की बात करें तो पहले दिन बंगाल की टीम मात्र 184 रनों पर सिमट गई थी. वहीं पहले दिन का खेल खत्म होने तक सर्विसेज ने 83 के स्कोर तक 5 विकेट खो दिए हैं. बंगाल की टीम शमी के बिना भी अच्छी पोजीशन में है. पहले दिन का खेल खत्म होने के बाद मीडिया से वार्ता के दौरान कोच लक्ष्मीरत्न शुक्ला ने कहा, "शमी फिट हैं, उन्हें आराम दिया गया था. उन्होंने पिछले राउंड में दिल्ली के खिलाफ काफी ओवर गेंदबाजी की थी. उन्होंने खुद आराम दिए जाने की मांग की थी. वह चीता है. शमी के आराम लेने की वजह से हमें नए चेहरों को मौका देने का अवसर भी मिला।

UPI PIN से 5 मिनट में 11 बार निकले 72000 रुपए, हर्जाना देगा बैंक

नई दिल्ली।अगर आपके बैंक खाते से बिना आपकी अनुमति के पैसे निकल जाएं, तो आपको क्या करना चाहिए? आज के दौर में डिजिटल पेमेंट के बढ़ते इस्तेमाल के बीच साइबर फ्रॉड के मामले भी लगातार सामने आते हैं. ऐसा ही एक मामला पंजाब के बठिंडा से सामने आया, जहां एक व्यक्ति के बैंक खाते से कई बार में 72,495 रुपए निकाल लिए गए.इस मामले में बैंक ने दावा किया था कि लेनदेन ग्राहक के मोबाइल पर्सनल आइडेंटिफिकेशन नंबर (MPIN) के जरिए प्रमाणित हुए थे. हालांकि, मामले की सुनवाई के बाद पंजाब राज्य उपभोक्ता आयोग ने बैंक को ग्राहक की रकम ब्याज सहित लौटाने और हर्जाना देने का निर्देश दिया है.इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, 4 जून 2019 को विजय कुमार के बैंक खाते से कुछ ही मिनटों में लगातार पैसे निकाले गए. उन्हें मोबाइल पर लेनदेन के अलर्ट मिले, जिनसे पता चला कि खाते में रकम निकाली जा रही है. दोपहर 1:06 बजे से 1:11 बजे के बीच कई बार लेनदेन हुए. शुरुआती निकासी में 4,999 रुपए और 10,000 रुपए जैसी रकम शामिल थी. शिकायत के मुताबिक, बैंक अधिकारियों से संपर्क करने और खाता ब्लॉक कराने की कोशिश के दौरान भी लेनदेन जारी रहे।



प्रधानमंत्री आवास योजना से साकार हो रहे हजारों परिवारों के सपने

शहर सत्ता/रायपुर। सप्तिर पर पक्की छत, परिवार के लिए सुरक्षित आशियाना और बच्चों के बेहतर भविष्य का सपना हर व्यक्ति के जीवन की सबसे बड़ी आकांक्षाओं में से एक होता है। विशेषकर आर्थिक रूप से कमजोर और ग्रामीण अंचलों में रहने वाले परिवारों के लिए अपना पक्का मकान केवल चारदीवारी और छत का निर्माण नहीं, बल्कि सुरक्षा, सम्मान, आत्मविश्वास और खुशहाल जीवन की नई शुरुआत है। कभी कच्ची दीवारों और खपैल की छतों के सहारे जीवन गुजारने वाले हजारों परिवारों का यह सपना अब शासन की जनकल्याणकारी आवास योजनाओं के माध्यम से साकार हो रहा है। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण और पीएम जनमन योजना जरूरतमंद परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव का माध्यम बन रही हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की हर जरूरतमंद परिवार को पक्का आवास उपलब्ध कराने की परिकल्पना और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार की जनकल्याणकारी प्रतिबद्धता से जिले में आवास निर्माण कार्यों को निरंतर गति मिल रही है। शासन की इन योजनाओं ने उन परिवारों के जीवन में नई उम्मीद जगाई है, जिनके लिए आर्थिक कठिनाइयों के कारण अपना पक्का मकान बनाना एक अथुरा सपना बना हुआ था। जिला प्रशासन के सतत प्रयासों से अब ग्रामीण अंचलों में पक्के मकानों की संख्या लगातार बढ़ रही है और हजारों परिवार सुरक्षित एवं सम्मानजनक जीवन की ओर कदम बढ़ा रहे हैं।

पीएम आवास निर्माण में गड़बड़ी कतई बर्दाश्त नहीं: उप मुख्यमंत्री

शहर सत्ता/रायपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत गरीबों और जरूरतमंद परिवारों के आवास निर्माण में किसी भी प्रकार की अनियमितता, लापरवाही और हितग्राहियों के साथ धोखाधड़ी को लेकर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने स्पष्ट कहा है कि प्रधानमंत्री आवास योजना गरीब परिवारों के पक्के घर का सपना पूरा करने की महत्वपूर्ण योजना है। इसमें किसी भी स्तर पर गड़बड़ी या हितग्राहियों के हक की राशि का दुरुपयोग कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आवास निर्माण में कोताही बरतने और गरीबों के साथ धोखाधड़ी करने वालों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंशा है कि प्रत्येक जरूरतमंद परिवार को पक्का आवास मिले। विशेष रूप से दूरस्थ वनांचलों में निवासरत विशेष पिछड़ी जनजाति के परिवारों को सुरक्षित और सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि गरीबों के आवास निर्माण के लिए स्वीकृत राशि पर केवल हितग्राहियों का अधिकार है।

सेजस चेराकुर में माहवारी स्वच्छता को लेकर जागरूकता कार्यक्रम

शहर सत्ता/बस्तर। सेजस चेराकुर में कारितास इंडिया के अंतर्गत संचालित खुशहाल बचपन परियोजना की ओर से माहवारी स्वच्छता प्रबंधन को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें बच्चों और किशोरी बालिकाओं को माहवारी से जुड़ी जरूरी जानकारी देने के साथ व्यक्तिगत स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में माहवारी के दौरान स्वच्छता बनाए रखने, सैनिटरी पैड के सुरक्षित इस्तेमाल, समय पर पैड बदलने और इस्तेमाल किए गए पैड के उचित निपटन की जानकारी दी गई। साथ ही माहवारी से जुड़ी सामाजिक झिझक और भ्रांतियों को दूर करने तथा इस विषय पर खुलकर बातचीत करने के लिए प्रेरित किया गया। किशोरी बालिकाओं को बताया गया कि माहवारी एक प्राकृतिक शारीरिक प्रक्रिया है और इसके संबंध में सही जानकारी स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के लिए जरूरी है।

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों को दूर नहीं किया, 13 अफसरों को नोटिस

- तीन अधीक्षण अभियंता, पांच कार्यपालन अभियंता और पांच अनुविभागीय अधिकारी से शासन ने 15 दिन में मांगा जवाब



शहर सत्ता/रायपुर। सीएम हेल्पलाइन पर शिकायतों का निराकरण किए बिना ही उन्हें बंद करने का मामला सामने आया है। लोक निर्माण विभाग की समीक्षा में पता चला कि शिकायतें बंद करते समय दर्ज टीप में समस्या के समाधान का स्पष्ट ब्योरा नहीं था। इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए विभाग ने 13 अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इनमें तीन अधीक्षण अभियंता, पांच कार्यपालन अभियंता और पांच अनुविभागीय अधिकारी शामिल हैं। सभी से 15 दिन के भीतर जवाब मांगा गया है।

दरअसल, अगस्त और सितंबर में सीएम हेल्पलाइन-1076 पर पीडब्ल्यूडी से संबंधित शिकायतों की समीक्षा की गई थी। इसमें पता चला कि कई शिकायतों को अधिकारियों ने बिना सही जानकारी दिए बंद कर दिया गया। शिकायतों को बंद करते समय अधिकारियों ने यह साफ नहीं बताया कि समस्या दूर करने के लिए क्या कार्रवाई की गई। कई मामलों में समाधान से जुड़ी पर्याप्त जानकारी भी दर्ज नहीं की गई

थी। सीएम हेल्पलाइन पर प्रतिदिन औसतन डेढ़ से दो हजार शिकायतें : सीएम हेल्पलाइन पर 9 जून से 15 अक्टूबर 2026 तक कुल 2 लाख 31 हजार 850 शिकायतें दर्ज की गईं। इनमें से 2 लाख 5 हजार 996 शिकायतों का निराकरण किया जा चुका है, जबकि 25 हजार 854 शिकायतों पर कार्रवाई जारी है। इस तरह कुल शिकायतों में से 88.85% का निराकरण हुआ है। हेल्पलाइन पर रोजाना औसतन 1500 से 2000 शिकायतें मिल रही हैं। इस हेल्पलाइन का उद्देश्य राशन, पेंशन, बिजली, आवास, पेयजल सहित अन्य नागरिक सेवाओं से जुड़ी जनसमस्याओं का समयबद्ध, पारदर्शी और एकीकृत निराकरण सुनिश्चित करना है।

तीनों स्तरों पर मिली लापरवाही

एल-1 स्तर: राष्ट्रीय राजमार्ग उप संभाग बिलासपुर के अनुविभागीय अधिकारी अतुल राज पेगवार, बेमेतरा के राजेश कुमार बाजपेयी, पेंड्रा के जगदीश प्रसाद, सेतु उप संभाग दुर्ग के अशोक कुमार हरियाले और पाटन की अनुविभागीय अधिकारी सोनल ढालेन्द्र को नोटिस। एल-2 स्तर: बेमेतरा संभाग के कार्यपालन अभियंता केशव प्रसाद लहरे, कोरबा के घासीराम जांगड़े, राष्ट्रीय राजमार्ग संभाग बिलासपुर के रोशन कुमार साहू, सारंगढ़ के प्यारे लाल पैकरा और कांकेर की कार्यपालन अभियंता प्रज्ञा नंद को नोटिस दिया गया है। एल-3 स्तर: मंडल क्रमांक-2 रायपुर के अधीक्षण अभियंता डीके नेताम, दुर्ग मंडल की अर्पणा चौरपगार और राष्ट्रीय राजमार्ग मंडल बिलासपुर के अधीक्षण अभियंता महादेव लहरे को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।



शहर सत्ता/रायपुर। नवरात्रि का पावन पर्व शक्ति की आराधना के साथ नारी शक्ति के सम्मान, सामाजिक एकता और हमारी गौरवशाली सांस्कृतिक परंपराओं का प्रतीक है। भारतीय संस्कृति में नारी को शक्ति का स्वरूप माना गया है। हमारी सरकार इसी भावना के अनुरूप माताओं-बहनों के सम्मान, सुरक्षा, स्वावलंबन और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। महिलाओं की प्रगति केवल एक परिवार की नहीं, बल्कि पूरे समाज और प्रदेश की प्रगति का आधार है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर में आयोजित विभिन्न गरबा एवं नवरात्रि महोत्सवों में शामिल होकर प्रदेशवासियों को नवरात्रि की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय कालीबाड़ी स्थित मां काली मंदिर पहुंचे और माता के दर्शन-पूजन कर प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इसके साथ ही वे मंडी परिसर में श्री कच्छ कड़वा पाटीदार समाज द्वारा आयोजित श्री पाटीदार नवरात्रि महोत्सव, भानपुरी में श्री कच्छ कड़वा पाटीदार समाज के गरबा समारोह, गोवर्धन नगर में श्री कच्छ गुर्जर क्षत्रिय समाज द्वारा आयोजित नवरात्रि महोत्सव तथा अमलीडीह क्षेत्र में आयोजित ढोलिडा रास गरबा-2026 सहित विभिन्न आयोजनों में

कोलकाता में भगदड़ की घटना पर जताया दुःख

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कोलकाता के चोरबागान दुर्गा पूजा पंडाल में हुई भगदड़ की घटना पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। श्री साय ने कहा कि कोलकाता के चोरबागान दुर्गा पूजा पंडाल में हुई भगदड़ का समाचार अत्यंत दुःखद और हृदयविदारक है। इस त्रासदी में अपनों को खोने वाले सभी परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। मां दुर्गा दिवंगत आत्माओं को अपने शीचरणों में स्थान दें।



सम्मिलित हुए। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नवरात्रि के अवसर पर पूरे देश और प्रदेश में भक्ति, श्रद्धा और उल्लास का अद्भुत वातावरण निर्मित होता है। नौ दिनों तक शक्ति स्वरूपा मां दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों की आराधना हमें जीवन में साहस, संयम, सकारात्मकता और सदाचार के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। यह पर्व हमारी सांस्कृतिक चेतना को सुदृढ़ करने के साथ समाज में प्रेम, सद्भाव और समरसता की भावना को भी मजबूत करता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि गरबा केवल नृत्य का आयोजन नहीं, बल्कि मां दुर्गा के प्रति हमारी श्रद्धा और भक्ति की सुंदर अभिव्यक्ति है। गुजरात से प्रारंभ हुई गरबा की समृद्ध परंपरा आज पूरे देश में उत्साह और उमंग के साथ मनाई जाती है। यह भारत की सांस्कृतिक विविधता में एकता का सुंदर उदाहरण है। उन्होंने कहा कि हमारे पर्व और त्योहार समाज को जोड़ने का कार्य करते हैं। अलग-अलग समाज और समुदाय जब एक साथ उत्सव मनाते हैं, तो आपसी प्रेम, सद्भाव और भाईचारे की भावना और मजबूत होती है। यही हमारी भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता है। छत्तीसगढ़ में भी सभी समाजों ने अपनी परंपराओं और संस्कृति को सहेजते हुए प्रदेश के सामाजिक और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।



मां काली की पूजा-अर्चना कर प्रदेश की समृद्धि की कामना की

शहर सत्ता/रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राजधानी रायपुर स्थित प्रसिद्ध मां काली मंदिर, कालीबाड़ी एवं दुर्गा पूजा पंडाल पहुंचे। मुख्यमंत्री ने विधि-विधान से मां काली एवं मां दुर्गा की पूजा-अर्चना की और प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली एवं उत्तम स्वास्थ्य की मंगलकामना की। उन्होंने मां के चरणों में शीश नवाकर छत्तीसगढ़ में सुख, शांति और समृद्धि बनाए रखने का आशीर्वाद मांगा। मुख्यमंत्री साय ने श्रद्धा एवं भक्तिभाव से मां भगवती की आराधना करते हुए प्रदेश की निरंतर प्रगति तथा प्रत्येक परिवार के जीवन में सुख और समृद्धि की कामना की। शक्ति की आराधना का यह पावन अवसर हमें अपनी आस्था, संस्कृति और गौरवशाली परंपराओं से जोड़ता है। मां दुर्गा शक्ति, साहस और सकारात्मक ऊर्जा की प्रतीक हैं। उनकी आराधना हमें जीवन की चुनौतियों का साहसपूर्वक सामना करने तथा सत्य, धर्म और सदाचार के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान अपनी समृद्ध संस्कृति, लोक परंपराओं और धार्मिक आस्था से भी है। हमारे पर्व और उत्सव केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, आपसी प्रेम और भाईचारे को मजबूत करने वाले अवसर भी हैं। ऐसे आयोजन समाज के विभिन्न वर्गों को एक सूत्र में जोड़ते हैं और नई पीढ़ी को हमारी सांस्कृतिक विरासत तथा जीवन मूल्यों से परिचित कराते हैं।

छग हाँकी लीग का स्ट्रीमिंग पार्टनर बना जियो हॉटस्टार

रायपुर के मैदान से पूरी दुनिया देखेगी राज्य के खिलाड़ियों का हुनर

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़

हाँकी लीग के स्ट्रीमिंग पार्टनर जियोहॉटस्टार द्वारा लीग के सभी मैचों की लाइव स्ट्रीमिंग की जाएगी। मैदान के साथ ही जियोहॉटस्टार पर लोगों को 22 अक्टूबर से 1 नवंबर तक रोजाना शाम 5:30 बजे से विश्व स्तरीय हाँकी के 18 रोमांचक मैच देखने को मिलेंगे। छत्तीसगढ़ हाँकी लीग भारत की पहली आधिकारिक राज्य हाँकी लीग है, जिसे हाँकी इंडिया से मान्यता मिली है। इसमें राज्य के छह शहरों का प्रतिनिधित्व करने वाली छह फ्रेंचाइजी शामिल होंगी। यह लीग एक लीग फॉर्मेट में आयोजित की जाएगी, जिसमें शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी, जबकि फाइनल मैच 1 नवंबर 2026 को खेला जाएगा।

लीग में भारतीय हाँकी के कई दिग्गज खिलाड़ी शामिल होंगे, जो मुख्य आकर्षण (मार्की खिलाड़ी) के रूप में रहेंगे। इनमें ओलंपियन सुरेंद्र कुमार, प्रदीप मोर, एस.वी. सुनील, ललित कुमार उपाध्याय, शमशेर और चिंगलेनसाना सिंह कंगुजाम जैसे नाम शामिल हैं, जो इन छह फ्रेंचाइजी का नेतृत्व करेंगे। पुरुषों की प्रतियोगिता के साथ-साथ, छत्तीसगढ़ का खेल एवं युवा कल्याण विभाग टूर्नामेंट के पहले दिन महिलाओं के लिए एक प्रदर्शनी मैच (एग्जीबिशन मैच) भी



वैश्विक स्तर पर पहचान मिलेगी। रायपुर के मैदान से राज्य के खिलाड़ियों का हुनर पूरी दुनिया देखेगी। छत्तीसगढ़ हाँकी लीग का लक्ष्य राज्य में हाँकी के माहौल को मजबूत करना, उभरते खिलाड़ियों के लिए अधिक अवसर पैदा करना और राज्य में इस राष्ट्रीय खेल के निरंतर विकास में योगदान देना है। "चलो रे संगी हाँकी खेलबो" टैगलाइन के साथ यह लीग छत्तीसगढ़ की खेल पहचान, क्षेत्रीय गौरव और हाँकी में बढ़ती आकांक्षाओं को रेखांकित करेगी। भारत के इस राष्ट्रीय खेल की पहुंच को और व्यापक बनाने इसके मैच जियोहॉटस्टार पर हर दिन शाम 5:30 बजे से हिंदी और छत्तीसगढ़ी भाषा में उपलब्ध होंगे, जो देश के करोड़ों दर्शकों तक पहुंचेंगे।

क्रॉप डॉक्टर ऐप करेगा फसल सुरक्षा से लेकर कीट-रोगों पर नियंत्रण

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ में किसानों की फसलों को कीट एवं रोगों से होने वाले नुकसान से बचाने और कृषि उत्पादन की गुणवत्ता बनाए रखने के उद्देश्य से फसल स्वास्थ्य प्रबंधन पर विशेष जोर दिया जा रहा है। कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री श्री रामविचार नेताम के निर्देशों के अनुरूप किसानों को फसलों में कीट एवं रोगों की समय पर पहचान करने, वैज्ञानिक तरीके से उनका निदान कराने तथा उचित नियंत्रण उपाय अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस दिशा में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय (आईजीकेवी), रायपुर द्वारा उपलब्ध डिजिटल सुविधाओं, कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिकों और क्षेत्रीय कृषि परामर्श सेवाओं का लाभ लेने की सलाह दी गई है। फसलों में कीट एवं रोगों का प्रकोप किसानों के लिए चुनौती बन सकता है।

समय पर समस्या की पहचान नहीं होने अथवा बिना उचित जानकारी के कृषि रसायनों का छिड़काव करने से फसल को नुकसान पहुंचने के साथ उत्पादन लागत भी बढ़ सकती है। इसे ध्यान में रखते हुए किसानों को सलाह दी गई है कि वे फसल में असामान्य लक्षण दिखाई देने पर पहले समस्या का वैज्ञानिक निदान कराएं और उसके बाद ही उपयुक्त नियंत्रण उपाय अपनाएं।



'क्रॉप डॉक्टर ऐप से मिलेगी फसल समस्याओं की जानकारी'

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय का क्रॉप डॉक्टर (Crop Doctor) ऐप फसलों में दिखाई देने वाले लक्षणों के आधार पर कीट एवं रोग संबंधी समस्याओं को समझने तथा उनके प्रबंधन की जानकारी प्राप्त करने का उपयोगी डिजिटल माध्यम है। पतियों का पीला पड़ना, धब्बे आना, पौधों का मुरझाना, तनों एवं जड़ों को नुकसान पहुंचाना अथवा कीटों का प्रकोप जैसे लक्षणों के संबंध में किसान इस ऐप के माध्यम से उपलब्ध जानकारी का लाभ ले सकते हैं। ऐप से प्राप्त जानकारी संभावित समस्या को समझने में सहायक हो सकती है। हालांकि, गंभीर अथवा अस्पष्ट मामलों में कृषि वैज्ञानिकों से परामर्श लेकर समस्या की पुष्टि कराना जरूरी है। किसान ऐप का उपयोग करने के लिए इस लिंक पर जा सकते हैं: <https://play.google.com/store/apps/details?id=igkv.igkvcropdoctor> फसल की अवस्था, मौसम और क्षेत्र विशेष में कीट एवं रोगों के संभावित प्रकोप को ध्यान में रखते हुए कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) एवं इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय से संबंधित परामर्श सेवाओं के माध्यम से किसानों तक मोबाइल संदेशों द्वारा कृषि संबंधी जानकारी पहुंचाई जाती है।

राजपरिवार के निमंत्रण पर मां दंतेश्वरी-मां मावली की डोली-छत्र रवाना

बस्तर दशहरा में शामिल होंगी देवी, एक दिन बाद मावली परघाव की रस्म, 618 साल पुरानी परंपरा



बैरिकेडिंग की है। इसका उद्देश्य श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रित करना और व्यवस्था बनाए रखना है।

राज परिवार के सदस्य खुद डोली उठाकर लाएंगे राजमहल

बस्तर राज परिवार के सदस्य कमलचंद्र भंजदेव के अनुसार, मावली परघाव की रस्म के दौरान सबसे पहले माता को सलामी दी जाएगी। इसके बाद माता को विराजमान कराया जाएगा। जिया बाबा की ओर से डोली के पहुंचने की सूचना मिलने पर वे वहां पहुंचेंगे। इसी दिन जोगी उठाई की रस्म भी होती है। बस्तर के सभी देवी-देवताओं के देव विग्रहों के साथ वे वहां पहुंचकर माता का सम्मानपूर्वक स्वागत करेंगे। इसके बाद वे खुद माता की डोली उठाकर राजमहल लेकर आएंगे। मावली परघाव की रस्म बस्तर दशहरे की प्रमुख परंपराओं में से एक है। डोली को दोबारा उठाए जाने के साथ ही बस्तर दशहरे का समापन होता है। इस आयोजन में दंतेवाड़ा से पुजारी, सेवादार और अन्य लोग शामिल होते हैं।



पंचमी के दिन माता को दिया जाता है न्योता

बस्तर दशहरे की परंपरा के अनुसार, पंचमी के दिन माता को राजमहल आने का निमंत्रण दिया जाता है। मान्यता है कि माता ने महाराजा से कहा था कि वे पंचमी के दिन ही न्योता स्वीकार करेंगी। इसी वजह से पंचमी का विशेष महत्व है। इस दिन राज परिवार के सदस्य मां दंतेश्वरी के दरबार पहुंचकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना करते हैं और माता को अपने साथ राजमहल चलने का निमंत्रण देते हैं। कमलचंद्र भंजदेव के अनुसार, मां दंतेश्वरी राज परिवार की कुलदेवी हैं।

कुमकुम से लिखा जाता है निमंत्रण पत्र

माता को दिए जाने वाले निमंत्रण पत्र की भी विशेष परंपरा है। पहले निमंत्रण चांदी के पत्रक पर लिखा जाता था, लेकिन अब एक चमकीले और बेहद पतले कपड़े पर निमंत्रण लिखा जाता है। इस पर स्याही या किसी पेन का इस्तेमाल नहीं किया जाता, बल्कि कुमकुम से निमंत्रण लिखा जाता है। बस्तर दशहरे की इन पारंपरिक रस्मों में माता की डोली और छत्र का स्वागत, पूजा-अर्चना और राज परिवार की सहभागिता का विशेष महत्व है। मावली परघाव की रस्म के साथ माता का राजमहल में आगमन होता है और बस्तर की विशिष्ट दशहरा परंपरा आगे बढ़ती है।

विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा हमारी जनजातीय संस्कृति की अनुपम विरासत: मुख्यमंत्री



रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से आज शाम राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में बस्तर सांसद महेश कश्यप के नेतृत्व में बस्तर दशहरा समिति, जगदलपुर के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री साय को विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा पर्व 2026 में शामिल होने के लिए सादर आमंत्रित किया। इस अवसर पर बस्तर की समृद्ध जनजातीय परंपरा के अनुरूप प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को पारंपरिक पागा पहनाकर उनका सम्मान किया। मुख्यमंत्री साय ने आत्मीय आमंत्रण के लिए प्रतिनिधिमंडल का आभार व्यक्त करते हुए बस्तर दशहरा के सफल आयोजन के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा कि बस्तर दशहरा केवल एक पर्व नहीं, बल्कि बस्तर की सदियों पुरानी आस्था, समृद्ध जनजातीय संस्कृति, परंपराओं और सामूहिक सहभागिता की अनुपम विरासत है। इस पर्व में बस्तर की सांस्कृतिक आत्मा और सामाजिक समरसता की सुंदर अभिव्यक्ति दिखाई देती है। हमारी सरकार बस्तर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और जनजातीय परंपराओं के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध है। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को बस्तर दशहरा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, इससे जुड़े धार्मिक अनुष्ठानों,

परंपराओं तथा इस वर्ष के आयोजन की तैयारियों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।

प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को बताया कि विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा लगभग 75 दिनों तक चलने वाला विशिष्ट सांस्कृतिक और धार्मिक पर्व है। हरेली अमावस्या से इसकी पारंपरिक शुरुआत होती है और विभिन्न पूजा-विधानों एवं अनुष्ठानों के साथ यह पर्व आश्विन शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तक चलता है। इस वर्ष 12 अगस्त को पाटजात्रा पूजा विधान के साथ बस्तर दशहरा पर्व का शुभारंभ हुआ। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 10 अक्टूबर को काछनगादी पूजा, 18 अक्टूबर को बेल पूजा तथा 23 अक्टूबर को मुरिया दरबार का आयोजन किया जाएगा। बस्तर दशहरा के विभिन्न अनुष्ठानों में अंचल के अलग-अलग समुदायों की परंपरागत और महत्वपूर्ण भागीदारी रहती है।

बस्तर दशहरा अपनी विशिष्ट परंपराओं के कारण देश-दुनिया में अलग पहचान रखता है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि बस्तर में दशहरा भगवान श्रीराम की रावण पर विजय के उत्सव के रूप में नहीं, बल्कि बस्तर अंचल की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी के प्रति आस्था और आराधना के महापर्व के रूप में मनाया जाता है।

मंगलवार को होगी मावली परघाव की रस्म

माता की डोली और छत्र देर रात जगदलपुर पहुंचने के बाद गीदम रोड स्थित जिया डेरा में ठहराए जाएंगे। इसके बाद मंगलवार की शाम को मावली परघाव की रस्म अदा की जाएगी। इस दौरान बस्तर राज परिवार के सदस्य माता की डोली और छत्र का स्वागत करने पहुंचेंगे। माता की डोली और छत्र को जिस रास्ते से लाया जाएगा, वहां दोनों ओर पुलिस ने



साप्ताहिक समाचार पत्र

शहरसत्ता

हम दिखाएंगे आईना...

की ओर से

दशहरा की हार्दिक शुभकामनाएं

शहरसत्ता

हम दिखाएंगे आईना...

MOJO JOURNALISM

Coming Soon